RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:231 ता. 02 मार्च 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi


## पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी का निधन

भोपाल। पूर्व राज्यपाल एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजीज कुरैशी का 83 वर्ष की उम्र में शुक्रवार सुबह निधन हो गया। पिछले कुछ समय से डॉ कुरैशी बीमार चल रहे थे। इलाज के लिए उन्हें राजधानी भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ अजीज कुरैशी का लंबी बीमारी के

बाद शुक्रवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन से परिवार के साथ ही सियासी गलियारे में शोक की लहर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ कुरैशी ने उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मिजोरम के राज्यपाल के तौर पर कार्य किया था। सन् 1973 में श्री कुरैशी मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री भी रहे और 1984 में सतना निर्वाचन क्षेत्र से वह लोकसभा चुनाव जीते थे। डॉ कुरैशी को 24 जनवरी, 2020 को मप्र उर्दू अकादमी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। पूर्व राज्यपाल डॉ कुरैशी के निधन की सुचना दे रहे उनके भतीजे सूफियान अली ने बताया कि वो पहली दफा 1972 में सीहोर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे और उसके बाद 1984 में लोकसभा सदस्य चुने गए। उन्होंने बताया कि डॉ कुरैशी की नमाजे जनाजा कोहेफिजा स्थित सूफिया मस्जिद में बाद नमाज इशा 8-30 बजे अदा की जाएगी और बड़ा बाग कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया जाएगा। उनके निधन से राजनीतिक गलियारे में शोक की लहर है।

## बेंगलुरु के कैफे में धमाका, 5 लोग घायल

बेंगलुरु। बेंगलुरु स्थित एक कैफे में जबरदस्त धमाका होने से 5 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। यह धमाका एक बैग में रखे सामान में हुआ। धमाके के बाद कैफे समेत आस-पास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। बेंगलुरु स्थिति रामेश ?वरम कैफे में एक जबरदस्त धमाका हुआ है। कैफे में एक बैग में रखे समान में धमाका होने की बात कही जा रही है। धमाके की खबर जैसे ही क्षेत्र में फैली वहां अफरा-तफरी मच गई और कई लोग कैफे के बाहर वीडियो बनाने पहुंच गए। धमाके सूचना एचएएल पुलिस स्टेशन को तुरंत दी गई। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जोरदार धमाके को देखते हुए घटना स्थल का निरीक्षण करने स्वयं डीसीपी पहुंचे हैं। घटना के बाद से स्थानीय पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। खबर लिखे जाने तक धमाका क्यों और किसने व कैसे किया गया, इसका कोई सुराख सामने नहीं आया है। वहीं धमाका स्थल पर फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी पहुंच चुकी है। जांच के बाद ही धमाके की वजह सामने आ सकेगी। इस घटना को लेकर बेंगलुरु सेंट्रल से भाजपा सांसद पीसी मोहन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए लिखा है कि बेंगलुरु सेंट्रल संसदीय क्षेत्र के रामेश्वरम कैफे में रहस्यमयी विस्फोट के बारे में सुनकर चिंता हो रही है। मेरी तमाम संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के साथ हैं। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा है कि अधिकारियों से घटना की जांच करने और तमाम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं। बेंगलुरु के कैफे में हुए धमाके से सभी स्तब्ध हैं और चिंतित नजर आए हैं।

## 'डबल इंजन' की सरकार 'जंगलराज' की गारंटी: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के 'डबल इंजन' सरकार के नारे की हवा निकालते आज कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं उससे साबित होता है कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार 'जंगलराज' की गारंटी है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आज कहा 'भाजपा और मोदी मीडिया मिल कर कैसे 'झूठ का कारोबार' कर रहे हैं, उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था उसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कहीं पेड़ से लटके नाबालिग बहनों के शव तो कहीं ईंटों से कुचल कर हत्या की वारदात। कहीं भाजपाइयों द्वारा

आईआईटी-बीएचयू कैंपस में गैंग रेप का दुस्साहस तो कहीं न्याय न मिलने पर आत्महत्या को मजबूर महिला जज।' उन्होंने कहा 'ये उस प्रदेश का हाल है जिसकी कानून व्यवस्था का गुणगान करते मोदी मीडिया थकता नहीं है। हाल ही में रामपुर में अंबेडकर स्मारक की मांग पर 10वीं की परीक्षा देकर लौटते दलित छात्र की हत्या उप्र की जर्जर कानून व्यवस्था का सबसे वीभत्स उदाहरण है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपाई तंत्र और अपराधियों के इस गठबंधन के खिलाफ हर ज़िले हर तहसील में आज विरोध प्रदर्शन कर न्याय की आवाज़ बुलंद करेंगे।' श्री गांधी ने मीडिया को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा 'मोदी मीडिया द्वारा गढ़ी गई झूठी छवि से बाहर निकल कर अब सच्चाई देखने का वक्त है, डबल इंजन सरकार 'जंगलराज की गारंटी' है।'

## महादेव ऐप मामले में हवाला कारोबारी की 580 करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऐप से जुड़े धनशोधन मामले में ताजा छापेमारी के बाद दुबई स्थित हवाला कारोबारी की 580 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियां एवं 3.64 करोड़ रुपये की नकदी व कीमती सामान जब्त किए। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि महादेव ऐप से जुड़े धनशोधन मामले में दुबई के हवाला कारोबारी की 580 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियां और 3.64 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। ईडी ने इस मामले में 28 फरवरी को कोलकाता, गुरुग्राम, दिल्ली, इंदौर, मुंबई और रायपुर सहित 15 से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारे थे।

झारखंड के लोगों से 2018 में पीएम मोदी ने जो किया था वादा आज उसे निभाया

# 'मोदी की गारंटी पर देश को भरोसा, इसीलिए 400 पार का नारा लग रहा'

### धनबाद की जनसभा में बोले पीएम मोदी

**धनबाद/नई दिल्ली(एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को धनबाद में रोड शो किया। इसके बाद उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा का मकसद है- विकास, विकास और तेज विकास, जबकि कांग्रेस हो या उसके सहयोगी दल, वो विकास के सबसे बड़े दुश्मन हैं। देश कह रहा है कि जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। झारखंड के लोग मोदी की ऐसी अनेक गारंटियों के गवाह हैं, जो बीते वर्षों में पूरी हुई है।

पीएम मोदी ने कहा कि ये 400 पार का नारा ऐसे ही नहीं लग रहा है। ये तभी लग रहा है जब मोदी की गारंटी पर देश भरोसा कर रहा है। कभी-कभी मैं सोचता हूं कि पता नहीं मेरा कितने जन्मों का पुण्य होगा जो आप मुझे इतना प्यार और इतना आशीर्वाद दे रहे हैं। आप जो मुझे इतना प्यार देते हैं, इतना आशीर्वाद देते हैं, क्या मैं आपके लिए जिंदगी खपा पाऊंगा या नहीं? शरीर का कण-कण, समय का पल-पल आपको समर्पित करूंगा की नहीं? आपको विश्वास है ना? यही मोदी की गारंटी है।

#### जेएमएम का मतलब हो गया है- जमकर खाओ: पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि झारखंड में तेज विकास के लिए जरूरी है कि यहां कानून व्यवस्था अच्छी हो, शासन-प्रशासन ईमानदार हो, लेकिन जब से यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की परिवारवादी, भ्रष्टाचारी और तुष्टिकरण वाली सरकार बनी है, तब से यहां स्थितियां बदली हैं। जेएमएम का मतलब हो गया है- जमकर खाओ। पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों यानी जेएमएम और कांग्रेस ने झारखंड की जनता को लूटकर, आपके पसीने की कमाई को लूटकर अपने लिए बेनामी संपत्तियों के पहाड़ बना लिए हैं। आपने देखा है कि यहां किस तरह नोटों की गड्डियां निकल रही हैं।

#### आपके बच्चों का भविष्य, मेरी गारंटी

उन्होंने कहा कि जेएमएम और कांग्रेस ने जनजातियों को सिर्फ वोट बैंक ही समझा है। ये लोग यहां के प्रतिभाशाली नौजवानों को कभी आगे नहीं बढ़ाएंगे, क्योंकि परिवारवादी अपने ही परिवार के बारे में सोचते हैं, लेकिन मोदी आपके बारे में सोचता है, आपके भविष्य के बारे में सोचता है। आप ही मेरे परिवारजन हैं, आपके बच्चों का भविष्य, मेरी गारंटी है।

#### मोदी न दबने वाला है और न ही हटने वाला है

पीएम मोदी ने कहा कि ये इंडी गठबंधन वाले कितना भी दबाव बना लें, लेकिन ये मोदी न दबने वाला है और न ही हटने वाला है। मुफ्त अनाज की योजना मोदी चालू रखेगा ताकि गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे। इंडिया गठबंधन विकास और जनता विरोधी है। इन लोगों के पास जनता का हक छीनकर सरकार में मौज करने के अलावा कोई और विजन नहीं है। जबकि मोदी की कोशिश है कि आपका अधिकार सीधा-सीधा आपको मिले। मोदी के ऐसे ही कामों ने इंडिया गठबंधन के बिचौलियों का कमीशन बंद कर दिया है।

#### इंडी गठबंधन वाले पानी पी-पीकर मुझे गालियां देते हैं: पीएम

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले पानी पी-पीकर मुझे गालियां देते हैं, लेकिन उनकी एक भी गाली मुझ तक नहीं पहुंचती है, क्योंकि आपके आशीर्वाद की दीवार उनकी गालियों को मुझ तक नहीं पहुंचने देती। इसलिए मैं आपको नमन करता हूं।

## महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है देश: मुर्मु

**बरहामपुर (ओडिशा) (एजेंसी)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि देश अब महिला विकास के चरण से महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है।

श्रीमती मुर्मु ने आज भंजा बिहार में बरहामपुर विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर समान अवसर दिए जायें तो लड़कियों में लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''साहित्य, संस्कृति, नृत्य और संगीत में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही है और हमारी बेटियों की क्षमता विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लेकर पुलिस और सेना तक हर क्षेत्र में दिखाई देती है।' राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा के दक्षिणी क्षेत्र का केवल ओडिशा के इतिहास में ही नहीं बल्कि भारत के इतिहास में भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। यह भूमि शिक्षा, साहित्य, कला और शिल्प से समृद्ध है। इस क्षेत्र के पुत्र कबी सम्राट उपेन्द्र भंजा और कबीसूर्य बलदेव रथ ने अपनी लेखनी से उड़िया के साथ-साथ भारतीय साहित्य को भी समृद्ध किया है।

यह भूमि अनेक स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और जनसेवकों की जन्मस्थली तथा कर्मभूमि भी रही है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि वर्ष 1967 में स्थापित बरहामपुर विश्वविद्यालय ओडिशा के दक्षिणी हिस्से का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। उन्होंने इस आदिवासी बहुल क्षेत्र की शिक्षा और विकास में विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय की 55 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी लड़कियां हैं। इतना ही नहीं, स्वर्ण पदक विजेताओं में 60 प्रतिशत लड़कियां हैं और शुक्रवार को डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले शोधकर्ताओं में भी आधी लड़कियां हैं जो लैंगिक समानता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

## बेरोजगारी से तंग युवक विदेश में बन रहे हैं बंधक : कांग्रेसे

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि देश में बेरोजगारी चरम पर है और रोजी-रोटी के संकट से पीड़ित युवकों को रोजगार के नाम पर बहला फुसराकर रूस तथा इजराइल जैसे देशों में भेजा जा रहा है जहां उन्हें बंधक बनकर काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है। कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति के आमंत्रित स्थाई सदस्य तथा पार्टी की छात्र इकाई एनएसयूआई की प्रभारी कन्हैया कुमार ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस में भारतीय नौजवानों को बंधक बनाकर रखा गया है क्योंकि अपने देश में नौजवानों के लिए 'मृत काल' चल रहा है। श्री कुमार ने कहा, 'रूस के पास अपनी स्थायी सेना नहीं है और वहां सेना कांट्रैक्ट पर चलती है। जैसे अब हमारे देश में 'अग्निवीर' का मॉडल लाया गया है। गुजरात का एक नौजवान सिविलियन वर्क के लिए रूस गया था लेकिन वहां उसकी मौत हो गई है। इस संवेदनशील मुद्दे पर चारों तरफ चुप्पी है।' उन्होंने कहा, 'अगर देश के नौजवान अपने देश के लिए शहादत देते हैं तो यह देशभक्ति है लेकिन दूसरे देश की लड़ाई में भारतीय नौजवानों को क्यों जाना पड़ रहा है। क्योंकि हमारे देश में नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। देश में पिछले 10 साल में बेरोजगारी दर दोगुनी हो गई है। केंद्रीय विभागों में लाखों पद खाली हैं और सरकारी क्षेत्रों की हालत काफी खराब है।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'देश में बेरोजगारी के हालात ऐसे हैं कि- एक घंटे में 2 नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं।यदि मोदी सरकार हर साल दो करोड़ नौकरियां देती तो नौजवानों को विदेश न जाना पड़ता। देश के नौजवानों की मजबूरी का फायदा उठाकर, विदेश के सपने दिखाकर युवाओं को इजराइल में मजदूरी के लिए भेज दिया गया और देश के युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

# रक्षा मंत्रालय ने 39125 करोड़ रूपये के पांच अनुबंधों पर हस्ताक्षर किये

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रक्षा मंत्रालय ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और मेक-इन-इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को 39125 करोड़ रुपये के पांच पूंजी अधिग्रहण अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। इन अनुबंधों पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये गये। पांच अनुबंधों में मैसर्स हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ मिग-29 विमान के एयरो-इंजन के लिए एक अनुबंध, क्लोज-इन वेपन सिस्टम के लिए मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ दो अनुबंध और ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए तथा भारतीय रक्षा बलों के लिए पोत पर तैनात की जाने वाली ब्रह्मोस प्रणाली के लिए मैसर्स ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ दो अनुबंध शामिल हैं। ये समझौते भविष्य में स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करेंगे, विदेशी

मुद्रा बचाएंगे और विदेशी उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता को कम करेंगे। मिग-29 विमानों के आरडी-33 एयरो इंजन के लिए मैसर्स हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 5249 करोड रुपये की लागत का अनुबंध किया गया। क्लोज-इन वेपन सिस्टम की खरीद के लिए मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ 7,668.82 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। सीआईडब्ल्यूएस देश के चुनिंदा स्थानों पर टर्मिनल एयर डिफेंस प्रदान करेगा। यह परियोजना भारतीय एयरोस्पेस, रक्षा और एमएसएमई सहित संबंधित उद्योगों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देगी। राडार की खरीद के लिए मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ 5,700.13 करोड़ रुपये की लागत से अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। यह छोटे रडार क्रॉस सेक्शन लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम परिष्कृत सेंसर के एकीकरण के साथ वायुसेना की क्षमताओं में काफी वृद्धि करेगा। यह स्वदेशी रडार निर्माण तकनीक को बढ़ावा देगा क्योंकि यह भारत में निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित अपनी तरह का पहला रडार होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद के लिए मैसर्स ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 19,518.65 करोड़ रुपये की लागत के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन मिसाइलों का उपयोग नौसेना के लड़ाकू संगठन और प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

## पंजाब के किसानों ने फिलहाल तीन मार्च तक दिल्ली कूच को टाला

चंडीगढ़। हरियाणा की सीमा पर आंदोलन कर रहे पंजाब के किसानों ने तीन मार्च तक दिल्ली कूच को टाल दिया है। अब किसान शुभकरण के लिए 3 मार्च को अंतिम अरदास होने के बाद ही इस बारे में कोई फैसला लिया जाएगा। किसान नेता सरवन पंधेर और जगजीत डल्लेवाल ने शुक्रवार को कहा कि शुभकरण की आध्यात्मिक शांति के लिए 3 मार्च को अंतिम अरदास की जाएगी, जिसके बाद ही अब आगे बढ़ने का फैसला लिया जाएगा। शुभकरण का 29 फरवरी को ही अंतिम संस्कार किया गया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा की 6 सदस्यीय कोआर्डिनेशन कमेटी ने दिल्ली कूच कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैरराजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा से तालमेल करना शुरू कर दिया है। किसान नेताओं के अनुसार बहुत जल्द आंदोलन को बड़े स्तर पर उठाया जाएगा।

# सीएए के लागू होने की आहट से असम में विरोध प्रदर्शन शुरु

### पीएम मोदी के दौरे के दौरान 12 घंटे की भूख हड़ताल

**दिसपुर (एजेंसी)।** असम में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) सहित 30 से अधिक समूहों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के असम दौरे के दौरान नौ मार्च को सभी जिलों में 12 घंटे की भूख हड़ताल सहित आंदोलन होगा। शर्मा ने कहा कि सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई मामले चल रहे हैं।

30 स्वदेशी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद शर्मा ने कहा कि सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई मामले चल रहे हैं और इसके बाद सीएए को लागू करने की घोषणा करना लोगों के साथ घोर अन्याय है। उन्होंने कहा, असम के लोगों ने कभी भी सीएए को स्वीकार नहीं किया है और अगर इस लागू किया जाता है, तब इस ओर बढ़ाए गए हर कदम का विरोध होगा। उन्होंने कहा कि, कानूनी लड़ाई के साथ-साथ हम केंद्र के फैसले के खिलाफ लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रखने वाले हैं।

शर्मा ने कहा कि सीएए विरोधी आंदोलन 4 मार्च को हर जिला मुख्यालय में मोटरसाइकिल रैलियों के साथ शुरू होगा और एक मशाल जुलूस भी निकाला जाएगा।

बात दें कि प्रधानमंत्री 8 मार्च से असम की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे है। इस दौरान वे काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी करने, 17वीं सदी के अहोम सेना कमांडर लाचित बोरफुकन की 125 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण और शिवसागर मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखने और 5.5 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) से बने घरों का उद्घाटन होगा। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहले ही अपने भाषणों में सीएए के ऐलान की बात कह चुके हैं। उन्होंने, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) पर कहा कि 2019 में कानून पारित हुआ था। इस संबंध में नियम जारी करने के बाद लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। शाह ने कहा, सीएए देश का कानून है, इसका नोटिफिकेशन निश्चित रूप से हो जाएगा। चुनाव से पहले ही सीएए को अमल में आना है इसमें किसी को कंफ्यूजन नहीं रखना है।

## मनी लॉन्ड्रिंग केस में बिल्डर विजय मचिंदर की 7 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में ईडी ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिल्डर और ऑर्नेट स्पेसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विजय मचिंदर की 7.04 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली है। इन संपत्तियों में मुंबई के कई फ्लैट्स भी शामिल हैं। विजय मचिंदर को ईडी ने 3 जनवरी को ओशिवारा इलाके में उनकी कंपनी द्वारा शुरू किए गए एक प्रोजेक्ट में कई खरीदारों और निवेशकों से 50 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। ईडी ने विजय मचिंदर के खिलाफ ओशिवारा पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की जिसमें दावा किया गया था कि विजय ने ओशिवारा प्रोजेक्ट में फ्लैट बुकिंग करने के लिए 2012 और 2019 के बीच कलेक्ट किए गए रुपयों का उसने दुरुपयोग किया था। एफआईआर में कहा गया है कि उसने गलत तरीके से खरीदारों के साथ 74 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। जांच में सामने आया कि ऑर्नेट स्पेसेज ने एक प्लॉट के डेवलपमेंट के लिए साल 2010 में समझौता किया था जो मूल रूप से महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपिंग अथॉरिटी द्वारा यूनाइटेड ट्रस्ट ऑफ इंडिया के कर्मचारियों को आवंटित किया गया था। विजय मचिंदर ने 2012 से ओशिवारा प्रोजेक्ट के बिक्री योग्य क्षेत्र के खिलाफ वित्तीय संस्थानों से एडवांस फ्लैट बुकिंग के साथ-साथ लोन लेना भी शुरू कर दिया। उन्होंने प्रोजेक्ट के लिए एडवांस बुकिंग के हिस्से के रूप में कई फ्लैट खरीदारों से लगभग 93 करोड़ रुपये इकट्ठा किए और उन्होंने करीब 710 करोड़ रुपये का लोन भी लिया था जिसमें से 470 करोड़ रुपये की मूल रकम चुकानी शेष है। इसबीच ईडी को पता चला है कि खुदाई कार्य को छोड़कर ओशिवारा प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य अभी तक शुरू भी नहीं हुआ है।

## होली के मौके पर रेलवे ने बढ़ाए स्पेशल ट्रेनों के फेरे

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे से हर रोज बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। अब होली त्योहार के अवसर पर रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ा दिये हैं। ताकि यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो। इसके लिए रेलवे कई स्पेशल ट्रेनें भी चलाता है। रेलवे चल रही ट्रेनों के फेरे भी बढ़ा देता है। इसी कड़ी में होली के त्योहार को देखते हुए पश्चिमी रेलवे ने दो जोड़ी ट्रेनों के फेरे बढ़ाने का फैसला किया है। इन ट्रेनों में 1 मार्च से आप बुकिंग करा सकते हैं। पश्चिमी रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 09051 मुंबई सेंट्रल-भुसावल ट्राई वीकली स्पेशल, भुसावल-मुंबई सेंट्रल गाड़ी संख्या 09324 इंदौर-पुणे वीकली स्पेशल और गाड़ी संख्या 09323 पुणे-इंदौर वीकली स्पेशल के फेरों को रेलवे ने बढ़ाया है।

## अमेरिकी सिंगर रिहाना को परफॉर्म करने के लिए अंबानी परिवार से मिली मोटी रकम

### -इंदौर से 65 रसोइयों को दिया गया खाने का जिम्मा

जामनगर। देश के सबसे धनी कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे सुपुत्र अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग प्रोग्राम में परफॉर्म करने के लिए 29 फरवरी को जामनगर पहुंचीं पॉप क्वीन रिहाना को अंबानी फैमिली ने करोड़ों रुपये दिए है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी का मशहूर पॉप सिंगर रिहाना को 8-9 मिलियन डॉलर की पेमेंट की गई है। भारतीय रुपयों में ये 66 से 74 करोड़ रुपये के बीच बनती है। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत

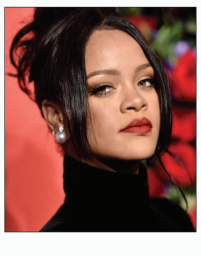

इस साल 12 जुलाई को उद्योगपति वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। सिंगर रिहाना के अलावा अमेरिकी सिंगर और सांग राइटर जे ब्राउन और मल्टी-इंस्ट्रूमेंटलिस्ट, सांग राइटर और प्रोड्यूसर एडम ब्लैकस्टोन भी तीन दिन चलने वाले प्री-वेडिंग समारोह के लिए जामनगर पहुंचे। इस भव्य कार्यक्रम में 1,000 से अधिक मेहमानों को न्यौता दिया गया है और वीवीआईपी लोगों की इस लिस्ट में बिल गेट्स और मार्क जुकरबर्ग सहित कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहमानों के लजीज पकवान परोसने के लिए इंदौर से 65 रसोइयों की एक स्पेशल टीम को इस विशेष कार्यक्रम का जिम्मा दिया गया है। बता दें कि मेनू में इंदौरी खाने पर खास फोकस रहने वाला है। समारोह में पैन-एशियाई पकवानों के अलावा पारसी भोजन से लेकर थाई, मैक्सिकन और जापानी फूड भी शामिल है। तीन दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम में कुल 2,500 तरह के पकवान मेनू में शामिल है, और भव्य आयोजन के दौरान उनमें से किसी को भी रिपीट नहीं किया जाएगा। नाश्ते में 75 से ज्यादा तरह के खाने के ऑप्शन में हैं, जबकि दोपहर के भोजन में 225 से ज्यादा तरह के पकवान परोसे जाएंगे। वहीं, रात के खाने में 275 तरह के व्यंजन और आधी रात के भोजन में 85 तरह की चीजें शामिल होंगी। कार्यक्रम में आधी रात के दौरान भोजन के लिए भी व्यवस्था की गई है और रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक मिडनाइट मील परोसी जाएगी। मेहमानों के लिए वेजेटेरियन खाने के ऑप्शंस की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

## आप नेता की सरे राह गोली मारकर हत्या

तरन तारन। तरनतारन के गोइंदवाल से बड़ी खबर सामने आई है। जहां आम आदमी पार्टी से विधायक के पीए की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार आम आदमी पार्टी के नेता गुरप्रीत सिंह गोपी चोला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोइंदवाल साहिब जाते वक्त फाटक के पास खड़ी गाड़ी पर हमलावरों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से गुरप्रीत सिंह गोपी की मौके पर ही मौत हो गई। गोपी चोला सुल्तानपुर लोधी कोर्ट की पेशी पर जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। पंजाब के तरनतारन में आम आदमी पार्टी के करीबी नेता और खडूर साहिब विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा के पीए की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस घटना को हमलावर ने श्री गोइंदवाल साहिब के पास रेलवे फाटक बंद होने पर गाड़ी का पीछा करते हुए अंजाम दिया। गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी चोला निवासी चोहला साहिब जो आज सुबह अपनी कार से श्री गोइंदवाल साहिब के लिए निकले थे। जब गुरप्रीत सिंह की कार फतेहाबाद रेलवे फाटक के पास पहुंची तो फाटक बंद था। इसी दौरान स्विफ्ट कार सवार हमलावर पहले से ही उसका पीछा कर रहे थे। उन्होंने गुरप्रीत सिंह पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में गुरप्रीत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

## नहीं मिली व्हीलचेयर, एयरपोर्ट पर बुजुर्ग की मौत, एयरलाइन कंपनी पर लगा भारी जुर्माना

मुंबई। मुंबई हवाईअड्डे पर एक बुजुर्ग यात्री की व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं कराने के कारण पैदल चलने से उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। मामले की जांच के बाद डीजीसीए ने एयर इंडिया कंपनी को एयरलाइन सीएआर का अनुपालन न करने का दोषी पाया है और 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. यह घटना 12 फरवरी को एयर इंडिया कंपनी के यात्री के साथ घटी थी. इस मामले में एक बुजुर्ग दंपत्ति को व्हील चेयर उपलब्ध नहीं कराने के कारण दुर्भाग्यवश एक यात्री की मौत हो गई. इस मामले की जाँच के पश्चात डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 30 लाख का जुर्माना लगाया है. इससे टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया को तगड़ा झटका लगा है। बता दें कि बीते महीने 12 फरवरी को व्हीलचेयर न मिलने के कारण एक यात्री की मौत हो गई। फ्लाइट में 80 साल का एक यात्री अपनी पत्नी के साथ सफर कर रहा था. मुंबई में उतरने के बाद यात्री ने क्रू से व्हीलचेयर मांगी. चूँकि वहाँ केवल एक व्हीलचेयर थी, इसलिए उनकी पत्नी को व्हीलचेयर दी गई। जब यह यात्री डेढ़ किलोमीटर पैदल चल रहे थे तभी उन्हें जोरदार दिल का दौरा पड़ा। अस्पताल में भर्ती कराए जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई.

**कंपनी का दावा**- इन यात्रियों ने विमान में व्हीलचेयर भी पंजीकृत कराई। बुजुर्ग की पत्नी भी व्हीलचेयर पर सफर कर रही थीं. लेकिन एयरपोर्ट पर व्हीलचेयर की कमी के कारण इस बुजुर्ग को व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं हो पाई. काफी दूर चलने के बाद उन्हें चक्कर आया और वह गिर पड़े। इस संबंध में पूरे मामले की जांच करने वाले नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया. फिर टाटा एयरलाइन कंपनी ने 20 फरवरी को इसका जवाब भेजा. इसमें कंपनी ने दावा किया कि यात्री दूसरी व्हीलचेयर का इंतजार करने के बजाय अपनी पत्नी के साथ पैदल ही चल पड़े जिससे यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी।

# 'तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने की राह पर भारत', राजीव चंद्रशेखर बोले- मोदी सरकार ने प्रदर्शन की राजनीति की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भारत के पिछले दशक में परिवर्तनकारी परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 'प्रदर्शन की राजनीति' की सराहना की। चन्द्रशेखर ने रिकॉर्ड 8.4त्न जीडीपी वृद्धि हासिल करते हुए 'नाजुक पांच' से 'शीर्ष पांच' अर्थव्यवस्थाओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव पर प्रकाश डाला। चन्द्रशेखर ने यूपीए के 'खोए हुए दशक' की तुलना एनडीए की उपलब्धियों से की, उन्होंने मुद्रास्फीति में कमी, मजबूत वित्तीय प्रणाली और एनपीए में कमी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमारे देश में जबरदस्त, गहरे, संरचनात्मक और स्थायी परिवर्तन हुए हैं। सबसे निर्णायक परिवर्तनों में से एक प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी की 'प्रदर्शन की राजनीति' रही है।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि पीएम मोदी जी की अभूतपूर्व पैमाने पर परिवर्तन और क्रियान्वयन करने और दशकों से अनसुलझी समस्याओं का समाधान प्रदान करने की क्षमता भारत के बारे में कहानी बदल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के तहत 2004-2014 की अवधि भारत के लिए एक 'खोया हुआ दशक' था। 2014 से पीएम मोदी जी ने तबाह हो चुकी अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करना शुरू कर दिया। मोदी जी के नेतृत्व में 2019-24 के कालखंड ने विकसित भारत की नींव रखी है। उन्होंने कहा कि हमें ध्यान देना चाहिए कि भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 8.4प्र. जीडीपी विकास दर दर्ज की है। यह मोदी सरकार के प्रयासों और क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ बताता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विशेष रूप से, यूपीए शासन के तहत 'लॉस्ट डिकेड' के दौरान, भारत दुनिया की फ्रैजाइल-फाइव अर्थव्यवस्थाओं की सूची में था। उनके शासन की अंतिम तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) विकास दर केवल 5.3प्र. थी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जी के कुशल नेतृत्व में 'प्रदर्शन की राजनीति' और यूपीए शासन के तहत भ्रष्टाचार और भाईचारे के 'खोए हुए दशक' के बीच एक बड़ा अंतर रहा है। उन्होंने कहा कि आज हमारी वित्तीय प्रणाली दुनिया की सबसे मजबूत वित्तीय प्रणालियों में से एक है। यह समावेशी है, और स्टार्टअप्स को उच्च क्रेडिट प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, गैर-लाभकारी परिसंपत्तियां (एनपीए) दशक के निचले स्तर 3.9प्र. पर हैं।

चन्द्रशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि सेमीकंडक्टर और उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में देश पिछले 65-75 वर्षों में जो हासिल नहीं कर सका, सरकार के पास अब उनमें निवेश करने के लिए संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कैबिनेट ने पहले ही इस उद्देश्य के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण धनराशि को मंजूरी दे दी है। पिछले दो वर्षों में सेमीकंडक्टर के लिए प्राप्त कुल निवेश प्रस्ताव 2.5 लाख करोड़ रुपये हैं, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि और उपलब्ध संसाधनों का प्रमाण है। भारतीय अर्थव्यवस्था में 8.4त्न की वृद्धि के साथ-साथ राजनीतिक संस्कृति का श्रेय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जाता है, जिसे वैश्विक मंच पर मान्यता मिली है और लोगों द्वारा इसकी सराहना की गई है।

## 3300 किलो ड्रग्स लेकर पाकिस्तान के रास्ते भारत पहुंची बोट

### -पांच विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुजरात में भारतीय समुद्री सीमा के अंदर 3300 किलो ड्रग्स से भरी विदेशी बोट ईरान के चाबहार पोर्ट से पाकिस्तान होकर भारत आई थी। इस पर पांच विदेशी नागरिक सवार थे। जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान सामान का आदान-प्रदान किया गया। बोट के लिए ईंधन और खाने-पीने का सामान लिया। इसके बाद वे लोग गुजरात में तट से करीब 60 नॉटिकल माइल्स अंदर अरब सागर में पकड़े गए थे। शुरू में उनके पास हथियार भी होने का शक था, लेकिन जब नेवी के मरीन कमांडो ने हेलिकॉप्टर और बोट से उन्हें समुद्र के अंदर ही आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया। पता लगा चला कि उनके पास हथियार नहीं थे। उन्होंने बताया कि वे ईरान से पाकिस्तान होकर भारत आए थे। इसके पहले भी कई बार ड्रग्स से भरी बोट लेकर भारत आ चुके हैं। इसमें पिछले साल मई में कोच्चि में समुद्र में पकड़ी गई ड्रग्स की एक खेप में भी इनके शामिल होने का शक है। उसमें एक पाकिस्तानी नागरिक पकड़ा गया था। इस ताजा मामले में गिरफ्तार पांच विदेशी नागरिकों में चार ईरानी और एक पाकिस्तानी नागरिक हैं। पहले एक ईरानी खुद को पाकिस्तानी बता रहा था। उनमें एक बोट का कैप्टन और बाकी अलग-अलग कामों के लिए थे। उन्हें समुद्री रास्तों की अच्छी जानकारी है। एनसीबी अधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ सालों से समुद्र के रास्ते ड्रग्स की तस्करी बढ़ी है। इसके लिए एनसीबी नेवी, संबंधित स्टेट पुलिस, आईबी, कोस्ट गार्ड और अन्य संबंधित एजेंसियों की मदद लेकर समुद्री ड्रग्स तस्करों के खिलाफ एक्शन ले रही है। मामले में पाकिस्तान के कराची में बैठे अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की ड्रग्स तस्करी को संभालने वाले मास्टरमाइंड हाजी सलीम के शामिल होने की भी जांच की जा रही है।

# भाजपा को चंदा देने चले थे जज साहब, हो गए ढाई करोड़ की ठगी का शिकार

**हैदराबाद (एजेंसी)।** भाजपा को चुनावी चंदा देने के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने के लिए सेवानिवृत जज ने ढाई करोड़ रुपए दे दिए। कुछ दिनों पर भी उन्हे कोई बांड नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने प्रकरण दर्ज कराया। इलाहाबाद और आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में जज रह चुके रिटायर्ड जस्टिस डीएसआर वर्मा ने हैदराबाद पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करा शिकायत की है कि उनके साथ दो लोगों ने 2.5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जालसाजों ने कथित तौर पर बीजेपी के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने के नाम पर उनसे ये रकम ली थी लेकिन कभी बॉन्ड खरीदे ही नहीं गए।

2010 में अपने पद से सेवानिवृत होने वाले जज साहब ने तीन दिन पहले यानी 27 फरवरी को हैदराबाद के एक थाने में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि उनके परिवार ने आपस में मिलकर ये रकम जुटाई थी। बकौल पूर्व जज, परिवार से इकट्ठा करने के बाद ये रकम दोनों आरोपियों को भुगतान की गई थी ताकि वे इलेक्टोरल बॉन्ड खरीद सकें लेकिन कभी कोई बॉन्ड जारी ही नहीं किया गया। शिकायत में कहा गया है कि ये बॉन्ड भाजपा के पक्ष में जारी किए जाने थे।

एफआईआर में जिन दो लोगों को आरोपी बनाया गया है, उनमें एक नरेंद्रन और दूसरा सरथ रेड्डी है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, एफआईआर में पूर्व जज ने आरोप लगाया है, नरेंद्रन, जो हमारे रिश्तेदारों का एक परिचित व्यक्ति है, अपने परिचय का फायदा उठाते हुए मेरे पास आया और केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के लिए कुछ चंदे की मांग की जिसे बॉन्ड के माध्यम से स्वीकार किया जाना था। नरेंद्रन ने सरथ रेड्डी को हमसे रकम लेने का जिम्मा सौंपा था। (कहा जाता है कि सरथ रेड्डी आत्मिया होम्स नाम की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में शामिल हैं)।

पूर्व जज ने यह भी आरोप लगाया कि सरथ रेड्डी ने उन्हें और उनके पोते-पोतियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में सम्मानजनक स्थान देने का वादा किया था, क्योंकि वह इलाहाबाद और आंध्र प्रदेश के उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश रह चुके हैं। रिटायर्ड जज ने कहा कि वह और उनका परिवार उसके झांसे में आ गया और उनकी पत्नी और बेटी ने 2021 में समय-समय पर कुल 2.5 करोड़ रुपये उसे दे दिए। उन्होंने कहा कि व्हाटसएप पर उसके साथ चैट टेक्स्ट के सबूत भी हैं।

पूर्व जज ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि ना तो उनके परिजनों को अमेरिका में मदद दी गई और ना ही उनके दिए गए रकम से कोई इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा जा सका।

# सतर्क रहे किसान, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश में भारी बारिश की संभावना

### -कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईएमडी यानी भारत मौसम विज्ञान ने पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों मे भारी बारिश की संभावनाएं जाहिर की हैं। साथ ही मौसम विभाग ने किसानों को भी अलर्ट कर फसलों से जुड़ी एडवाइजरी जारी की है। अनुमान है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस या पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिम हिमालयी क्षेत्र और उत्तरी मैदान में 1 से 3 मार्च तक मौसम तेजी से बदल सकता है।

आईएमडी का कहना है कि उत्तरी राजस्थान के किसान जल्द गेहूं, ज्वार और सरसों की कटाई कर लें और उपज को किसी सुरक्षित स्थान पर रख लें। साथ ही मौसम विभाग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में खेतों से पानी को बाहर निकलने की व्यवस्था रखे, ताकि जल जमाव की स्थिति से बचा जा सके। इसके साथ ही इन राज्यों के

किसानों को भी कटी फसल को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की सलाह दी है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में रात से 3 मार्च तक बारिश/बर्फबारी के आसार हैं। पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के कुछ हिस्सों और मध्य प्रदेश में 1 से 3 मार्च के बीच बारिश की काफी संभावनाएं हैं। इस दौरान 2 मार्च को तेज हवाएं और कुछ स्थानों पर ओले भी गिर सकते हैं।1 और 2 मार्च को पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में तेज आंधी-तूफान के साथ मध्यम बारिश के आसार हैं। वहीं, इस दौरान उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी बारिश हो सकती है।

# आधी रात को जेएनयू के छात्रों में हुई हिंसक झड़प, कई घायल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राजनीति की पाठशाला कहा जाने वाला जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय अब हिंसक झड़क का ठिया बनने लगा है। आए दिन विवाद और झगड़े होते नजर आते हैं। बीती रात जेएनयू में भाषा संस्थान में चुनाव समिति के सदस्यों के चयन को लेकर गुरुवार रात दो छात्र समूहों के बीच हुई हिंसक झड़प में कुछ छात्र घायल हो गए। छात्र गुटों में मारपीट के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में घायल कुछ छात्रों को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक कथित वीडियो( अपुष्ट) सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति कुछ छात्रों को छड़ी से पीटता दिखाई दे रहा है वहीं एक अन्य क्लिप में एक व्यक्ति छात्रों पर साइकिल फेंकते दिखाई दे रहा है।

जेएनयू में 2024 के जेएनयू छात्र संघ चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग के सदस्यों को चुनने के लिए साबरमती ढाबे पर विश्वविद्यालय आम सभा की बैठक (यूजीबीएम) बुलाई गई थी, तभी छात्र गुटों में झड़प हो गई थी। वाम दल से संबद्ध डीएसएफ ने आरोप लगाया कि एबीवीपी के सदस्य मंच पर चढ़ गए और उन्होंने परिषद के सदस्यों तथा वक्ताओं के साथ धक्का-मुक्की की। घटना के बाद सोशल मीडिया पर दोनों गुटों द्वारा शेयर किए गए वीडियो में एबीवीपी और जेएनयू छात्र संघ के सदस्यों को नारेबाजी के बीच बहस करते हुए देखा गया था।

वहीं घटना के एक अन्य कथित वीडियो में भी कुछ लोग अन्य लोगों के साथ मार-पीट करते दिखाई दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और वामपंथी समूहों के छात्रों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस घटना पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न ही घायल छात्रों की संख्या के बारे में कोई जानकारी मिल सकी है।

बता दें कि, जेएनयू में छात्र गुटों में झड़प का यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते महीने 10 फरवरी को बी जेएनयू कैंप में छात्र संघ चुनाव कराने को लेकर बुलाई एक बैठक के दौरान एबीवीपी और लेफ्ट गुट के बीच झड़प हो गई थी। जिसमें दोनों पक्षों ने अपने कुछ सदस्यों के घायल होने का दावा किया था। दोनों पक्षों ने इस झड़प के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाए थे।

# संदेशखाली हिंसा मामले ने 42 सीटों पर बढ़ा दी ममता की टेंशन

**कोलकाता (एजेंसी)।** संदेशखाली में हुई हिंसा अब सियासी रंग में रंग गई है। टीएमसी और भाजपा में इसी को लेकर जंग चल रहा है। पश्चिम बंगाल की करीब 42 सीटों पर इसका प्रभाव हो सकता है। इस तरह की कई सियासी चर्चाओं के बीच पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों की व्यूह रचना में संदेशखाली का मुद्दा काफी अहम हो गया है। चुनाव के ठीक पहले सामने आए इस मुद्दे ने तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी की निजी तौर पर चिंता बढ़ा दी है। डैमेज कंट्रोल की कोशिश हो रही है लेकिन भाजपा इस मुद्दे को गरम बनाए रखते हुए चुनाव की रणनीति को इसके आसपास रखना चाहती है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में भी इसकी झलक साफ मिलेगी। हालांकि ममता अपने कार्यकर्ताओं को संदेश दे चुकी हैं कि सिंगुर, नंदीग्राम की इससे कोई तुलना नहीं हो सकती।तृणमूल नेता भाजपा शासित राज्यों में महिला उत्पीड़न का मामला उठाकर पलटवार कर रहे हैं।

10 मार्च को बड़ी रैली में ममता भाजपा के सारे आरोपों का जवाब देंगी। संभवतः इसके पहले वह संदेशखाली का दौरा भी करें लेकिन पार्टी अंदरूनी स्तर पर महसूस कर रही है कि यह मुद्दा राजनीतिक रूप से राज्य में मतदाताओं को प्रभावित कर सकता है। महिलाओं के सड़क पर आने से ममता की चिंता बढ़ी है इसलिए शेख शाहजहां पर कार्रवाई को ढाल बनाकर बचने की कोशिश हो रही है। हालांकि जानकार मानते हैं कि इस मुद्दे ने ममता की राजनीति और उनकी छवि पर असर डाला है। मुख्यमंत्री ममता ने विधानसभा में कहा था कि उस इलाके में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गढ़ रहा है। तृणमूल का कहना है कि भाजपा इसे हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाना चाहती है और कोशिश मतों के ध्रुवीकरण की है जबकि भाजपा का कहना है कि यह पश्चिम बंगाल में अपराध के राजनीतिक गठजोड़ का उदाहरण है। फिलहाल पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीट में जीत-हार पर यह मुद्दा कितना असर डालेगा, अभी कहना मुश्किल है लेकिन हर तरह के

दांव-पेच जारी हैं। पिछले चुनाव में ममता की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस को 22 सीट मिली थी। वहां भाजपा को 18 और कांग्रेस को दो सीट पर जीत मिली थी। इस बार भाजपा पूरा जोर अपनी संख्या बढ़ाने पर लगा रही है। वहीं शरद पवार सहित विपक्ष के कई नेताओं ने ममता को राजनीतिक परिस्थिति के मुताबिक विपक्षी एकता के साथ चुनाव लड़ने की सलाह दी है।

# दिल्ली हाई कोर्ट ने क्यों कहा, कोई इंडिया गेट को खरीद कर वहां घर बना लेगा

नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन रोक से इंकार कर हाई कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि अवैध निर्माण की स्थिति दिल्ली में ऐसी है कि कोई इंडिया गेट को भी खरीदकर वहां पर घर बना लेगा। कोर्ट ने स्पेशल टास्क फोर्स की ओर से द्वारका सहित कई इलाकों में चल रहे धस्वतीकरण कार्रवाई पर स्टे लगाने से इंकार किया। बिल्डर्स और प्रभावित संपत्ति मालिकों ने अलग-अलग याचिका दायर करते हुए तुरंत कार्रवाई रोकने का आदेश देने की गुजारिश की थी। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं का हवाला देकर बीएसईएस से बिजली आपूर्ति बहाल कराने की भी मांग की गई थी। हालांकि, बेच ने सहमत नहीं हुआ और इस दस्तावेजी सबूतों की मांग की जो साबित करें कि निर्माण वैध है। कोर्ट ने नाराजगी पेश कर कहा, यह सच में गजब है कि लोग पहले कानून तोड़ते हैं, फिर कोर्ट चले आते हैं। आप साफ हाथ के साथ नहीं बल्कि सने हुए हाथ लेकर आए हैं। स्थिति ऐसी है कि कोई इंडिया गेट को खरीद सकता है और वहां घर बना लेगा। आज पूरा शहर रहने लायक नहीं बचा। जब बिल्डर्स की तरफ से वकील ने कोर्ट से हस्तक्षेप कर ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने की मांग की तब अदालत ने कहा, मगरमच्छ के आंसू मत बहाओ। हमें सेंक्शन प्लान दिखाए, कुछ ऐसा दिखाइए जिसके आधार पर हम कार्रवाई रोक सकें। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इसतरह के खरीदारों की मुश्किलों को भी माना जो ऐसी जमीनों को खरीदते हैं और उस पर निर्माण करते हैं फिर ध्वस्तीकरण का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कोर्ट ने संकेत दिया कि इसमें अधिक कुछ नहीं किया जा सकता है।

# गैंगस्टरों में दुश्मनी: पुरानी रंजिश के चलते नफे सिंह राठी की हत्या हुई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी की हत्या के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। पुलिस जांच और मीडिया में आ रही खबरों के मुताबिक माना जा रहा है कि राठी और कपिल सांगवान के बीच पुरानी दुश्मनी चल रही है। सांगवान वही गैंगस्टर है जिसने सोशल मीडिया पर नफे सिंह की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

कपिल सांगवना ने बुधवार को ही नफे सिंह राठी की हत्या कराने की जिम्मेदारी ली थी। उसने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी थी। सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार नफे सिंह राठी का याराना कपिल सांगवान के प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर मनजीत महल से था। इसी के चलते कपिल सांगवान खफा था और उसने नफे सिंह राठी की हत्या करा दी। हरियाणा पुलिस फिलहाल पोस्ट को वेरिफाई कर रही है। कहा जाता है कि मनजीत ने सांगवान के एक रिश्तेदार की हत्या कर दी थी। उसके बाद से ही दोनों की रंजिश चल रही है। फिर 2017 में सांगवान ने मनजीत के पिता श्रीकृष्ण की हत्या कर दी थी। उसके बाद से यह रंजिश और बढ़ी है। कपिल सांगवान ने सोशल मीडिया पर बताया कि नफे सिंह राठी ने मनजीत महल की मदद की थी, तभी उसके रिश्तेदार सुनील की हत्या हुई थी। कपिल सांगवान ने धमकी देते हुए अंदाज में कहा कि जो भी मेरे दुश्मनों का समर्थन करेगा, उसे अंजाम भुगतना होगा। बहादुरगढ़ जानता है कि नफे सिंह राठी जब सत्ता में था तो उसने कई लोगों का अपहरण किया और हत्याएं कीं। उसकी सत्ता के आगे कोई बोल नहीं पाता था। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार कपिल सांगवान का बड़ा भाई ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा ने कपिल से कहा था कि वह बदला ले। उसके ही आदेश पर यह कांड हुआ।

पुलिस यूके में बसे इस गैंगस्टर के रोल का पता लगा रही है। इस घटना में नफे सिंह राठी के सहायक और नेता जय किशन की भी हत्या कर दी गई थी। झज्जर के बहादुरगढ़ में हुई इस घटना से हर कोई हैरान है और हरियाणा की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस बीच यूके में रह रहे गैंगस्टर कपिल सांगवना उर्फ नंदू के जिम्मेदारी लेने से इस मामले में चिंताएं और बढ़ गई हैं। कपिल सांगवान दिल्ली के नजफगढ़ का रहने वाला है और महज 32 साल का ही है। उसके खिलाफ भारत में मर्डर, हत्या के प्रयास, फिरौती, लूट और आर्म्स ऐक्ट समेत 18 मामले दर्ज हैं। ये केस सांगवान पर राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में दर्ज हैं। होटल मैनेजमेंट का कोर्स बीच में छोड़कर कपिल सांगवान अपराध की दुनिया में चला गया था। वह हरियाणा के ही मानेसर के एक कॉलेज से पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने कपिल सांगवान की गिरफ्तारी पर 2 लाख रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा है। कपिल सांगवान 2014 में पहली बार जेल गया था। उस पर फिरौती का केस दर्ज हुआ था। इसी साल उस पर लूट का भी केस हुआ था। सांगवान को फिर राजस्थान में 2016 में अरेस्ट किया गया था। इसके बाद 2019 में सांगवान के खिलाफ मकोका का केस दर्ज हुआ था।

2020 में वह जब पेरोल पर जेल से निकला तो यूके ही भाग गया। एक पुलिस सूत्र ने बताया कि फर्जी पासपोर्ट बनवाकर सांगवान पहले थाइलैंड गया था, फिर दुबई निकल गया और बाद में वहीं से यूके चला गया।

## चंद्रयान-3 जैसा ही कुछ नया करना चाहता है अमेरिका

वॉशिंगटन। भारत ने जिस तरह से चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग की थी उसको लेकर पूरी दुनिया हैरान थी। इस कामयाबी को अब दूसरे देश में अपनाना चाहते हैं। शायद यही कारण है अमेरिका भी कुछ इसी तरह का करने जा रहा है। इस तरह की कामयाबी मिले इससे पहले अमेरिका का एक अंतरिक्ष यान (स्पेसक्राफ्ट) चांद की सतह पर एक सप्ताह तक तड़पने के बाद गुरुवार को गहरी नींद में सो गया। ओडीसियस नाम का ये स्पेसक्राफ्ट एक सप्ताह पहले ही लॉन्च किया गया था। यह एक प्राइवेट अमेरिकी कंपनी इंटुएटिव मशीन्स का स्पेसक्राफ्ट है। हालांकि चंद्रमा पर लैंड होते ही इसका एक पैर टूट गया और यह तिरक्षा हो गया। इसके बाद काफी कोशिशें की गईं लेकिन इसे खड़ा नहीं किया जा सका। आखिरकार धरती पर इसके कंट्रोलर ने इसे गुरुवार को सुला दिया। इंटुएटिव मशीन्स के प्रवक्ता जोश मार्शल के अनुसार, आखिरी समय में उठाए गए कुछ कदमों के चलते लैंडर की बैटरियां तेजी से खत्म होने लगी थीं। इसलिए इसके डेड होने से पहले उसे लंबे समय तक गहरी नींद में सुला दिया गया है। कंपनी ने एक्स पर लिखा, गुड नाइट, ओडी। हमें उम्मीद है कि हम आपसे फिर मिलेंगे। ओडीसियस को एक सप्ताह के मिशन के लिए चंद्रमा पर भेजा गया था। इसने उम्मीदों के मुताबिक अच्छा प्रदर्शन किया। इंटुएटिव मशीन्स ने 22 फरवरी को ओडीसियस के लैंडर को सफलतापूर्वक चांद पर उतारा था। यह चंद्रमा पर उतरने वाली अमेरिका की पहली निजी कंपनी बन गई। इस उपलब्धि ने उन्हें जापान सहित उन कुछ देशों में शामिल कर दिया, जिन्होंने 1960 के दशक के बाद से ऐसी लैंडिंग पूरी की है। 11 घंटे की गड़बड़ी के बावजूद यह छह पैरों वाला स्पेसक्राफ्ट पिछले गुरुवार को सफलतापूर्वक चंद्रमा की सतह पर पहुंचा था। लेकिन इसकी लैंडिंग थोड़ी अजीब हुई। भारत के चंद्रयान-3 की तरह इसकी लैंडिंग एकदम सीधी नहीं हुई। यह झुका हुआ चांद पर उतरा जिससे यह किसी ऑपरेशन को अंजाम देने में कामयाब नहीं हो पाया।

## धरती को ठंडा रखने के लिए वैज्ञानिकों ने बनाया प्लान

लंदन। धरती काफी तेजी से गर्म हो रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले कुछ वर्षों में धरती का तापमान लगभग 1.5 डिग्री तक बढ़ेगा। इससे दुनिया के कई हिस्सों में सूखा पड़ेगा। अकाल की नौबत आएगी और लाखों लोगों के मारे जाने की आशंका है। इसलिए वैज्ञानिक वर्षों से धरती को और गर्म होने से रोकने की कोशिशों में जुटे हैं। इसी कड़ी में कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक नई तरकीब खोजी है। उनका मानना है कि अगर सिर्फ ये कर लिया जाए तब धरती का तापमान बढ़ने से रोका जा सकता है। पानी का वाष्प एक कुदरती ग्रीनहाउस गैस है। यह गर्मी को पार नहीं जाने देता। यह ठीक उसी तरह काम करता है, जैसे कोयला, तेल या गैस के जलने पर निकलने वाली कार्बन डाईऑक्साइड गैस करती है। इसलिए यह कार्बनडाई ऑक्साइड की तरह ही खतरनाक है। इसीलिए वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर धरती ऊपरी वातावरण में मौजूद इन वाष?प को सुखा दिया जाए तब गर्मी को बाहर निकलने का रास्ता मिलेगा। इससे धरती का तापमान कम हो जाएगा, यानी धरती ठंडी हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैज्ञानिक वातावरण के उस हिस्से में बर्फ फेंकना चाहते हैं, ताकि वह हिस्सा ठंडा हो जाए। हालांकि, इसके कई खतरे भी हैं। इस तुरंत लागू नहीं कर सकते, इसमें और रिसर्च की जरूरत है। लेकिन यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जिससे हम धरती को बचा सकते हैं। हम अत्याधुनिक विमान के द्वारा धरती से 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर बर्फ के कणों को हवा में फेंकने की बात कह रहे हैं। बर्फ वाष्पकणों को ठंडा कर देगा। लेकिन इसके लिए कितने बर्फ की जरूरत होगी? इस सवाल पर उन्होंने कहा, हर हफ्ते दो टन बर्फ हवा में छोड़नी होगी। ऐसा करने से तापमान 5 डिग्री तक कम हो सकता है। बहुत ज्यादा कमी नहीं होगी, और प्रदूषण में भी कमी आएगी।

## अमेरिका में सरकारी शटडाउन का टला खतरा, सीनेट ने विधेयक को मंजूरी दी

वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक-बहुमत अमेरिकी सीनेट ने आंशिक सरकारी शटडाउन को रोकने के लिए अल्पकालिक स्टॉपगैप खर्च बिल को मंजूरी दे दी। रिपब्लिकन-नियंत्रित प्रतिनिधि सभा ने फंडिंग खत्म होने से 36 घंटे से भी कम समय पहले इसका समर्थन किया था। यह विधेयक सीनेट में द्विदलीय 77-13 वोटों से पारित हुआ, अब कानून में हस्ताक्षर करने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन के पास जाएगा। यह बाइडेन सरकार के एक हिस्से को 8 मार्च तक और दूसरे हिस्से को 22 मार्च तक फंड करने की समय सीमा तय करेगा। एक बयान में बाइडेन ने कहा कि यह मार्ग अमेरिकियों के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि यह हानिकारक शटडाउन से बचाता है, लेकिन साथ ही कहा कि यह एक अल्पकालिक समाधान है, दीर्घकालिक समाधान नहीं। इसके पहले सदन में अल्पकालिक स्टॉपगैप उपाय को मंजूरी देने के लिए 320-99 वोट में 207 डेमोक्रेट 113 रिपब्लिकन में शामिल हो गए, जिससे कांग्रेस को 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले पूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए वित्त पोषण पर सहमत होने के लिए अधिक समय मिलता है। रिपब्लिकन हाउस के अध्यक्ष माइक जॉनसन और बहुमत नेता चक शूमर, एक डेमोक्रेट, के बीच वित्तीय वर्ष के लिए 1.59 ट्रिलियन विवेकाधीन व्यय स्तर पर सहमति हुए लगभग दो महीने बीत चुके हैं।

## अयाज सादिक नेशनल असेंबली के अध्यक्ष चुने गए

लाहौर। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के विधायक सरदार अयाज सादिक को मतदान प्रक्रिया के समापन के बाद नेशनल असेंबली का अध्यक्ष चुना गया। पीएमएल-एन राजनेता ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समर्थित स्वतंत्र विधायक मलिक आमिर डोगर को हराया, जिन्हें सदन में सुन्नी इत्तेहाद (एसआईसी) परिषद के सांसदों का समर्थन प्राप्त था। कुल 291 वोट पड़े जिनमें से एक अवैध घोषित किया गया। सादिक ने 199 वोटों के साथ स्पीकर की प्रतियोगिता जीती, पीएमएल-एन, पीपीपी के सदस्यों और निचले सदन में उनके नामांकन का समर्थन करने वाले अन्य सांसदों से बहुमत हासिल किया। सादिक के प्रतिद्वंदी डोगर को सिर्फ 91 वोट ही मिल सके। यह दूसरी बार है जब वे स्पीकर बने हैं। सादिक ने 2013-2018 तक 14वीं नेशनल असेंबली में स्पीकर के रूप में कार्य किया था। परिणाम घोषित होने के बाद सादिक डोगर से मिले और वहां उन्होंने अन्य एसआईसी सांसदों से भी मुलाकात की। सादिक को अब निवर्तमान स्पीकर राजा परवेज अशरफ शपथ दिलाएंगे। शपथ ग्रहण के बाद नए स्पीकर तुरंत सदन की कमान संभालने वाले है। इसके बाद अशरफ अपने पद से हट जाएंगे।

## पुतिन ने अपने मतदाताओं को संबोधित कर पश्चिम को चेतावनी दी

मास्को। रूसी राष्ट्रपति ने यूक्रेन में अपने उद्देश्यों को पूरा करने की कसम खाकर दावा किया कि उनके देश के नागरिक आक्रमण का भारी समर्थन कर रहे हैं। पुतिन ने अपने राज्य-राष्ट्र संबोधन का उपयोग रूसी राष्ट्रीय एकता की सराहना करने और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध में गहरी भागीदारी के खिलाफ पश्चिम को चेतावनी देने के लिए किया है। उनका भाषण उस चुनाव से पहले आया है, जिसमें उनका जीतना लगभग तय है, जबकि गंभीर दावेदारों को कानूनी तौर पर दौड़ से बाहर किया गया है। पुतिन ने कहा कि रूस अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा कर रहा है और अपने हमवतन लोगों की रक्षा कर रहा है। पुतिन की धमकी के बीच नाटो का बड़ा बयान सामने आया है। नाटो यूक्रेन के पक्ष में खड़ा रहेगा। नाटो यूक्रेन कांउसिल के जरिए संबंध मजबूत हैं। पुतिन ने रूसी सैनिकों की सराहना की और मौन रखकर लड़ाई में मारे गए लोगों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में तथाकथित विशेष सैन्य अभियान को अधिकांश रूसी नागरिकों का समर्थन प्राप्त है। यह तब भी है, जब नए मतदान से साफ होता है कि यूक्रेन में युद्ध के लिए रूसियों का समर्थन टूट रहा है। अंतर्राष्ट्रीय अनुमान है कि फरवरी 2022 में अपने पड़ोसी पर आक्रमण के बाद से देश पहले ही 400,000 से अधिक सैनिकों को खो चुका है, और कथित तौर पर इस साल के अंत तक यह आधे मिलियन के आंकड़े तक पहुंचने की ओर है। पुतिन ने कहा कि रूस के खिलाफ किसी भी पश्चिमी खतरे के विनाशकारी परिणाम होगा, जो रूस की परमाणु हथियार क्षमता का स्पष्ट संदर्भ था।

चीन के जियांग सेटलाइट केन्द्र से एक लॉग मार्च 3 बी राकेट कैरियर इंटरनेट सर्विस उपग्रेह लेकर रवाना हुआ।

## पीएम सुनक का पुलिस प्रमुख को आदेश, प्रदर्शन 'भीड़ तंत्र' में तब्दील नहीं हों

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश के पुलिस प्रमुखों से कहा है कि प्रदर्शन 'भीड़ तंत्र' में तब्दील नहीं हों, यह सुनिश्चित करने के लिए वे अपने सारे अधिकारों का इस्तेमाल करें। सुनक ने बैठक के दौरान मंत्री और वरिष्ठ पुलिस प्रमुख एक नए 'लोकतांत्रिक पुलिसिंग प्रोटोकॉल' पर सहमत हुए। ब्रिटेन के सांसदों के लिए बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर निकाले गए मार्च के दौरान हिंसा के बाद प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी आई है। सुनक ने कहा, इस पर आम सहमति बढ़ रही है कि भीड़तंत्र लोकतांत्रिक शासन की जगह ले रहा है। हमें सामूहिक रूप से इस तत्काल प्रभाव से रोकना होगा। उन्होंने कहा कि हिंसक और डराने वाले इसतरह के व्यवहार की अनुमति नहीं दी जा सकती है, जिसका मकसद स्वतंत्र बहस और निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपना काम करने से रोकना है। उधर, ब्रिटेन के विपक्षी दल लेबर पार्टी ने ब्रिटिश भारतीयों से जुड़ने और भारत से संपर्क बढ़ाने के लिए नए सामुदायिक संपर्क संगठन की शुरुआत की है। लेबर पार्टी ने यह कदम उस समय में उठाया है जब दोनों देशों में आम चुनाव की तैयारियां जारी हैं। पार्टी के शैडो विदेश सचिव डेविड लैमी ने लंदन में संसदीय परिसर में लेबर इंडियंस की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने अपनी हालिया यात्रा के बारे में बात की और अगले चुनाव में लेबर पार्टी के जीतने पर ब्रिटेन-भारत भागीदारी को लेकर अपनी आकांक्षाएं भी प्रकट कीं। लेबर पार्टी के नेता लैमी ने भारत को महाशक्ति बताकर कहा कि भारत के रणनीतिक महत्व को देखते हुए इस देश से रिश्ता दलगत राजनीति से परे है। लैमी ने कहा, भारत उद्यमशीलता, नवोन्वेष, वैज्ञानिक, औद्योगिक और जनसंख्या के आधार पर एक महाशक्ति है। उन्होंने कहा, बेशक, भारत के सामने अभी भी चुनौतियां हैं।

# पुतिन के खुफिया खुलासों से चीन के फूले हाथ-पैर

### हमला होने पर दगा देगा चीन पर परमाणु बम

**मास्को (एजेंसी)।** रूस की परमाणु हमले की योजना के खुलासे से दुनियाभर में हड़कंप है। रूस के इस सीक्रेट प्लान में चीन का भी जिक्र है। प्लान में कहा गया है कि अगर चीन के साथ युद्ध जैसी स्थिति आती है तब रूस टैक्टिकल न्यूक्लियर बम से हमला करेगा है। रूस की खुफिया युद्ध योजना साल 2009 से 2014 के बीच बनी थी। तब भी व्लादिमीर पुतिन ही रूस के राष्ट्रपति थे। इसमें कहा गया है कि चीन रूस के फार ईस्ट इलाके पर कब्जा करने की कोशिश कर सकता है। इस बड़े खुलासे के बाद चीन ने अब चुप?पी साध ली है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और चीन दोनों ही दावा करते हैं कि उनके बीच नो लिमिट वाली दोस्ती हो गई है। रूसी खुलासे के बाद अब चीन की सरकार सदमे में आ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन की सेना ने इस तरह के किसी चीनी हमले से निपटने के लिए कई बार जवाबी हमले का अभ्यास भी किया है। रूसी दस्तावेज के हवाले से कहा, कमांडर-इन-चीफ ने दुश्मन द्वारा दूसरी-इकोलोन इकाइयों को तैनात करने और दक्षिण द्वारा मुख्य हमले की ओर आगे बढ़ने की धमकी देने की स्थिति में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने का आदेश दिया है। साल 2008 से साल 2014 तक के गोपनीय दस्तावेज बताते हैं कि रूस पहले से स्वीकार किए गए स्तर से काफी कम सीमा पर परमाणु हथियारों को तैनात करने के लिए तैयार है, जिससे विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के बीच चिंता पैदा हो गई है।

लीक हुई सामग्री यह भी संकेत देती है कि रूस के पूर्वी सैन्य जिले ने चीनी हमले से जुड़े विभिन्न परिदृश्यों के लिए सक्रिय रूप से तैयारी की है, जो रूस की रक्षा रणनीति में उसके परमाणु शस्त्रागार की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

चीन के दूतावास ने कहा, सिद्धांत रूप में, चीन एक रक्षात्मक परमाणु रणनीति के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक न्यूनतम स्तर की परमाणु क्षमता बनाए रखता है। हमारा किसी भी देश के साथ परमाणु हथियारों की होड़ में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। परमाणु हथियार रखने वाले देशों में चीन की एक अनूठी परमाणु नीति है और हमने लगातार उच्च स्तर की स्थिरता और सततता बनाए रखा है। चीनी विदेश मंत्रालय ने इस पूरे मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

## भारत के दबाव में श्रीलंका ने लिया ये फैसला, चीन हुआ नाराज

### -चीनी मीडिया ने श्रीलंका के खिलाफ उगाल जहर

**कोलंबो (एजेंसी)।** चीन के कथित रिसर्च जहाज हिंद महासागर में आते रहे हैं। यह जहाज श्रीलंका में रुकते रहे हैं, इस लेकर भारत हमेशा से जासूसी की चिंता जताता रहा है। भारत के दबाव में श्रीलंका ने इस बार चीन के जहाजों को रुकने की इजाजत नहीं दी, जिस पर ड्रैगन नाराज दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक 3 जनवरी 2024 से एक साल के लिए देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र में अध्ययन करने के लिए चीनी अनुसंधान जहाजों को रोकने का फैसला लिया गया। इस फैसले पर चीन ने श्रीलंका के प्रति असंतोष जताया है।

हालांकि श्रीलंका ने सिर्फ चीन ही नहीं बल्कि सभी देशों के रिसर्च जहाजों पर रोक लगाई है। लेकिन इसका प्रभाव चीन पर ही पड़ेगा। श्रीलंका ने यह फैसला तब लिया जब चीनी रिसर्च जहाज जियांग यांग होंग 3 दक्षिण हिंद महासागर में एक्सप्लोरेशन के लिए आ रहा था। जहाज आधिकारिक तौर पर चीनी प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के तीसरे समुद्र विज्ञान संस्थान के स्वामित्व वाला है। भारत की सुरक्षा चिंताओं को देखकर श्रीलंका ने यह फैसला लिया था।

चीन के अधिकारी श्रीलंका के इस फैसले से नाराज थे। उन्होंने भारत के प्रभाव में ऐसा निर्णय लेने के लिए श्रीलंका को अपनी नाराजगी व्यक्त की। वहीं चीनी मीडिया ने भी श्रीलंका के खिलाफ जहर उगला था। श्रीलंका में जहाज को रोकने की जब जगह नहीं मिली तब चीन मालदीव पहुंचा। पिछले सप्ताह चीन का जहाज मालदीव के बंदरगाह पर रुका था, जो अब मालदीव से रवाना हो चुका है। यह जहाज 4,500 टन वाला है। चीन के मुताबिक जियांग यांग होंग 3 जहाज कर्मियों के रोटेशन और पुनः पूर्ति के लिए बंदरगाह पर रुका था।

## गुटेरेस ने की इजराइल हमले की निंदा

### -गाजा में खाद्य काफिले के आसपास हुए हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत

**न्यूयार्क (एजेंसी)।** संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने उत्तरी गाजा में खाद्य काफिले के पास हुए इजराइली हमले में 100 से अधिक लोगों की मौत हो जाने की निंदा की है और संघर्ष विराम की मांग की है। एक खाद्य काफिले के आसपास गुरुवार को हुई इस घटना में करीब 104 लोगों के मरने और 7 सौ से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। फ़िलिस्तीन से प्राप्त समाचार के मुताबिक, गाजा के स्वास्थ्य मंत्री ने बयान देते हुए कहा कि 8 अक्टूबर, से इजराइल द्वारा शुरु किए गए हमले में गाजा में मृतकों की संख्या 30 हजार के पार पहुंच गई है। इसके साथ ही गाजा सिटी क्षेत्र में गुरुवार को एक खाद्य काफिले के आस-पास जो घटना घटी है, उसमें करीब 104 लोग मारे गए और 700 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि मानवीय सहायता के लिए ट्रक का इंतजार कर रहे लोगों पर इजराइल के सैनिकों ने भारी मशीनगनों से हमला कर दिया। वहीं इस घटना की खबर दे रहे डुजारिक का कहना है कि, सेक्रेटरी जनरल ने उत्तरी गाजा में हुए हमले की निंदा की है, जिसकी जद में आकर जीवन रक्षक सहायता की मांग करने वाले लोगों की मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस गाजा के संघर्ष में लोगों के मारे जाने से खुद को स्तब्ध पा रहे हैं। गौरतलब है कि गाजा में जारी संघर्ष की जद में आए कथित 30 हजार लोग अब तक मारे जा चुके हैं, जबकि 70 हजार लोग घायल हुए हैं। इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि कई लोग मलबे के नीचे भी दबे हुए हो सकते हैं, लेकिन अभी तक उसकी कोई जानकारी नहीं है। यह अलग बात है कि उन्होंने अपने इस बयान में कहीं भी इजराइल का जिक्र नहीं किया है। मीडिया को जानकारी दे रहे डुजारिक ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र को तो इस घटना की प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है कि आखिर यहं हुआ क्या है, लेकिन हिंसा के कारण घटना घटित हुई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने गाजा में हत्याओं को नरसंहार करार दिया है। उन्होंने जिनेवा में अधिकृत फ़िलिस्तीन क्षेत्र की एक बैठक के दौरान कहा, कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि गाजा में हमारी आंखों के सामने जो भयावहता रची जा रही है, उसे शब्दों में बयां करने की कोई सीमा नहीं है।

# सऊदी अरब प्रशासन का आदेश, रमजान से पहले मस्जिदों में इफ्तार पर प्रतिबंध

**रियाद (एजेंसी)।** सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद ने रमजान से पहले मस्जिदों में इफ्तार पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश 11 मार्च को शुरू होगा और इस साल 9 अप्रैल तक समाप्त होगा। सऊदी अरब के इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने 20 फरवरी, 2024 के आदेश में मस्जिद कर्मचारियों के लिए रमजान के महीने के दौरान पालन करने के लिए निर्देशों का एक सेट जारी किया था। मंत्रालय ने इमामों और मुअज्जिनों को इफ्तार दावतों के आयोजन के लिए वित्तीय दान एकत्र करने से प्रतिबंधित करने के आदेश भी जारी किए हैं। मंत्रालय ने आदेश रमजान के पवित्र महीने में मस्जिदों में साफ-सफाई को बनाए रखने के लिए जारी किया है। आदेश में कहा गया है, साम्राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में इमाम और मुअज़्ज़िन रोजेदारों और अन्य लोगों के लिए इफ्तार परियोजनाओं के लिए वित्तीय दान एकत्र नहीं करेगा। नोटिस में मस्जिदों के अंदर इफ्तार की दावतें आयोजित करने पर साफ-सफाई से समझौता किए जाने का मुद्दा उठाया गया है, जिसमें इमाम और मुअज्जिन को मस्जिदों के प्रांगणों में इन दावतों के आयोजन की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है और उन पर दावत खत्म होने के तुरंत बाद सफाई सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मंत्रालय के नोटिस में कहा गया है, साफ-सफाई की चिंताओं के कारण मस्जिदों के अंदर इफ्तार कार्यक्रम आयोजित नहीं होने चाहिए, इसलिए मस्जिदों के प्रांगण में अस्थायी कमरों, तंबू आदि के उपयोग के बिना एक उचित स्थान तैयार किया जाना चाहिए और इफ्तार किया जाना चाहिए। इमाम और मुअज़्ज़िन की जिम्मेदारी के तहत, रोजा तोड़ने वाले का दायित्व है कि वह खाना खत्म करने के तुरंत बाद उस जगह को साफ करे। इसके अलावा, मंत्रालय ने मस्जिद परिसर के अंदर कैमरों के उपयोग को हतोत्साहित करते हुए कहा कि उनका उपयोग इमाम और नमाज अदा करने वाले उपासकों को रिकॉर्ड करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे उपासकों की श्रद्धा कमजोर होती है।

## पाकिस्तान में रविवार को पीएम पद की शपथ ले सकते है शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सचिवालय ने देश के नए प्रधानमंत्री के चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शहबाज शरीफ को रविवार को होने वाले निर्वाचन के मद्देनजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कार्यक्रम के मुताबिक उम्मीदवार शनिवार अपराह्न दो बजे तक अपना नामांकन पत्र जमा कर सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच उसी दिन पूरी होगी। इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री के चुनाव की प्रक्रिया नवनिर्वाचित सांसदों को सौंपी गई है। 72 वर्षीय शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है। जबकि उमर अयूब खान जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के उम्मीदवार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पीएमएल-एन को देश में आठ फरवरी को हुए चुनाव के बाद गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) का समर्थन मिला है।

# इमरान खान के इस धाकड़ नेता ने संभाली खैबर पख्तूनख्वा की कमान, सदन में दिखाए अपने तेवर, कहा- अधिकारों को छीनना जानते हैं

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** जोरदार नारेबाजी के बीच खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा ने शुक्रवार को पीटीआई के अली अमीन गंडापुर को प्रांत का 22वां मुख्यमंत्री चुना। पीटीआई नेता ने पीएमएल-एन के प्रतिद्वंद्वी इबादुल्ला खान के खिलाफ 90 वोटों से भारी जीत हासिल की। गंडापुर ने इससे पहले पीटीआई सरकार के दौरान संघीय मंत्री के रूप में कार्य किया था। उन्हें पिछले महीने जेल में बंद पार्टी के संस्थापक इमरान खान द्वारा प्रतिष्ठित पद के लिए नामांकित किया गया था। उन्होंने डेरा इस्माइल खान में एक नेशनल असेंबली सीट (एनए-44) और एक प्रांतीय सीट (पीके-113) पर चुनाव लड़ा। केपी में पीटीआई समर्थित उम्मीदवार प्रांतीय सरकार बनाने के लिए पर्याप्त बहुमत में हैं।

पूरे सत्र के दौरान सदन इमरान खान समर्थक नारे गूंजते रहे, जेयूआई-एफ ने बहिष्कार किया। आज सीएम चुनाव के बाद अपने विजय भाषण में गंडापुर ने जोर देकर कहा कि वह स्वतंत्र क्षमता से मुख्यमंत्री बने हैं और इस बात पर अफसोस जताया कि कैसे उनकी पार्टी को 8 फरवरी के आम चुनाव में समान मैदान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि हम बदले की राजनीति नहीं करना चाहते। लेकिन साथ ही, पीटीआई नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि हम अपने अधिकारों को छीनना जानते हैं।

गंडापुर ने कहा कि वह आम चुनाव में धांधली के आरोपों की जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यहां आएं और फॉर्म-45 के आधार पर जांच करें। उन्होंने कहा कि आप जिस भी निर्वाचन क्षेत्र में चाहें, वहां जांच कर सकते हैं। गंडापुर ने उग्र भाषण में कहा कि मैं पूरे प्रांत को आपके सामने रख रहा हूं। हमें उम्मीद है कि हर लोकतांत्रिक राजनेता कहेगा कि जनादेश वापस किया जाना चाहिए क्योंकि जनादेश चुराना जनता को धोखा देने और संविधान का उल्लंघन करने के समान है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के तत्काल इस्तीफे की भी मांग की और दावा किया कि पाकिस्तान का चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है। गंडापुर ने सुप्रीम कोर्ट से धांधली के आरोपों की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग गठित करने का भी आग्रह किया।

# आतंक से कोई समझौता नहीं, आतंकवाद के मुद्दे पर अमेरिका और भारत साथ-साथ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज विदेश मंत्रालय बता भी रहा है कि अमेरिका ने आतंकवाद का मुकाबला करने के वैश्विक प्रयासों में भारत के नेतृत्व की सराहना की है । वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) आतंकवाद रोधी समिति की एक विशेष बैठक की भारत द्वारा मेजबानी किए जाने की सराहना कर रहा है । इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ते भारत की अमेरिका द्वारा की जा रही प्रशंसा आज यह बताने के लिए पर्याप्त है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार सभी नीतिगत निर्णयों के मामले में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। आज इतना अच्छा कार्य हो रहा है कि दुनिया भर में भारत का सम्मान बढ़ता हुआ हर भारतीय को साफ दिखाई देता है।

भारत और अमेरिका के आपसी संबंध समय-समय पर कभी बहुत मधुर और कभी अत्यधिक गर्म होने के साथ ही विरोधाभासी दिखाई देते रहे हैं। किंतु इसके बावजूद एक स्थिति है जो कभी नहीं बदली, वह है आतंक के मुद्दे पर दोनों देशों का समान दृष्टिकोण। दोनों देश, भारत-अमेरिका ने आतंक से अब तक कोई समझौता नहीं किया है। आतंक किसी भी तरह का हो उसका समाप्त होना आवश्यक है, यही इन दोनों देशों की नीति रही है। इसलिए तमाम विरोधाभासों के बीच भी यह दोनों देश आतंक के मुद्दे पर बार-बार मिलते हैं और इसके संपूर्ण समापन के लिए मिलजुल कर प्रभावी योजनाएं बनाकर रणनीतिक तौर पर परिणामकारी कार्य करते रहे हैं। वस्तुतः हाल ही में हुई इस विषय से संबंधित दोनों देशों की बैठक, होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग (एचएसडी) ने फिर एक बार साफ कर दिया है कि आतंकवाद, ऑनलाइन कट्टरपंथी कंटेंट, साइबर क्राइम, संगठित अपराध और ड्रग्स ट्रैफिकिंग समेत सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर भारत और अमेरिका एक तरह से ही सोचते हैं। दोनों ही देशों ने फिर एक बार आतंकवादियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करने की क्षमता को बाधित करने की दिशा में उपायों पर चर्चा की है । इनका दुनिया के सभी देशों से कहना है कि वे तत्काल ऐसे अपरिवर्तनीय कदम उठाएं जिससे यह सुनिश्चित हो कि उनके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र का उपयोग आतंकवादी हमलों के लिए नहीं किया जाएगा । मीटिंग में दोनों देशों के बीच आंतरिक सुरक्षा संवाद, सहयोग के साथ ही खुफिया जानकारी साझा करने पर भी बात हुई है।

आज जब देश की राजधानी दिल्ली में भारत की तरफ से केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और अमेरिका से होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की कार्यवाहक उप-सचिव क्रिस्टी केनेगेलो और इनके प्रतिनिधिमंडल आपस में मिले हैं, तब फिर से आतंकवाद से जुड़े कई विषयों पर समान रूप से सहमति बनती दिखाई दी है। दोनों पक्षों ने आतंकवादी वित्तपोषण का मुकाबला करने, नार्को-तस्करी और आतंकवाद से इसके जुड़ाव, संगठित अपराध और टेरर फंडिंग, कट्टरता को रोकने और उसका मुकाबला करने, आतंकवादी उद्देश्यों के लिए इंटरनेट का उपयोग, मानव रहित एरियल सिस्टम, वर्चुअल एसेट्स और डार्क वेब और उभरती प्रौद्योगिकियों का आतंकवादी उद्देश्यों के लिए उपयोग समेत आतंकवाद रोधी चुनौतियों पर जोर देने पर गहरा विचार-विमर्श हुआ है।

यहां अमेरिका से भारत ने संगठित अपराध और टेरर फंडिंग के मुद्दे पर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं । मीटिंग में भारत की तरफ से अमेरिका की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ न हो और खालिस्तानी समर्थकों की गतिविधियों पर अमेरिका पूरी निगरानी रखने के साथ उनकी रोकथाम करने का उपाय भी करे, इसके लिए भी कहा गया है । भारत से साक्ष्यों के साथ अमेरिका का आज यह बताया है कि कैसे यूएस में बैठे कुछ खालिस्तानी समर्थक भारत में अलगाववाद तत्वों को वित्तीय और अन्य तरह से मदद मुहैया करा रहे हैं। जिसे तत्काल रोके जाने पर भारत का जोर है । इसमें कुल मिलाकर भारतीय पक्ष ने खालिस्तानी आतंकवाद के मुद्दे पर अपना रुख पूरी तरह से अमेरिका के समक्ष स्पष्ट कर दिया है।

बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने आतंकवाद-रोधी और सुरक्षा क्षेत्रों में चल रहे सहयोग की समीक्षा की है। साथ ही आज द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने के लिए, दोनों पक्षों ने अमेरिकी संघीय कानून प्रवर्तन प्रशिक्षण केंद्र और भारत के सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के बीच कानून प्रवर्तन प्रशिक्षण पर सहयोग के एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए हैं । इसके साथ ही आगे के लिए यह तय हो गया है कि भारत और अमेकिरा दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी होमलैंड सुरक्षा वार्ता के अगले दौर के लिए आगे वाशिंगटन डीसी में मिलेंगे और इस बात की समीक्षा करेंगे कि हमने संयुक्त रूप से मिलकर जो लक्ष्य आतंकवाद के खिलाफ तय किया था, उसमें कितनी सफलता पाई है।

इससे पहले पिछले जब पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी सिक्योरिटी एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे का भारत आना हुआ था, तब भी इसी प्रकार से भारत-अमेरिका ने आतंक के विषय पर एक समान नीति को आगे बढ़ाने पर जोर दिया था । साथ ही इससे पहले विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी संगठनों से उत्पन्न खतरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और अल-कायदा, आईएसआईएस-दाएश, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और अल बदर जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जरूरत पर बल दिया गया था ।

आज यह ठोस और परिणामकारी भारतीय विदेश नीति का ही असर है जो अमेरिका ने अपनी अधिकारिक सरकारी वेबसाइट स्टेट डॉट जीओवी के माध्यम से आतंकवाद के विषय में भारत-अमेरिका द्वारा लिए गए निर्णयों को बहुत विस्तार से सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया है । जिसमें उसने साफ कहा है कि भारत आतंकवाद के खतरे से अत्यधिक प्रभावित रहा है। भारत ना सिर्फ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बल्कि भू-रणनीतिक एवं अन्य सुरक्षा संबंधी विषयों में भी सदैव अमेरिका का अहम साझेदार रहा है और रहेगा। हम भारत द्वारा उसके लोकतांत्रिक मूल्यों और नियमों के संदर्भ में आतंकवाद से निपटने के तौर-तरीकों का सम्मान करते हैं।

इसके साथ ही यहां पर एक आतंकवाद से निपटने के लिए अमेरिका-भारत का संयुक्त घोषणा पत्र भी पढ़ने को मिलता है। जिसमें साफ कहा गया है कि आतंकवाद, जो वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गहरा खतरा है, का मुकाबला करने और लोकतंत्र, न्याय और कानून के शासन के हमारे सामान्य मूल्यों को बनाए रखने के लिए भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता एक दूसरे के साथ परस्पर स्पष्ट है । अल-कायदा और उसके सहयोगियों, लश्कर-ए-तैयब्बा, जैश-ए-मोहम्मद, डी कंपनी और हक्कानी नेटवर्क और अन्य क्षेत्रीय समूहों जैसी संस्थाओं द्वारा उत्पन्न खतरे से निपटने के लिए आज दोनों ही देश मिलकर कार्य करने के लिए संकल्पित हैं। साथ ही यहां पर भारत में हुए सभी आतंकवादी हमलों एवं आर्थिक रूप से किए गए हमलों की भी निंदा की गई है और भविष्य में इस प्रकार की हमलों को कैसे रोका जा सकता है इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जाने पर बल दिया गया है।

कहना होगा कि इस वक्त जो भारतीय विदेश नीति कार्य कर रही है, उसका ही आज यह परिणाम है कि दुनिया के तमाम देशों के साथ भारत के मधुर संबंध बने हैं और बन रहे हैं सामाजिक, सांस्कृतिक या आर्थिक ट्रेड हो, सभी में भारतीय प्रभावी भूमिका में नजर आ रहे हैं । आतंकवाद को रोकने के संदर्भ में भी यही बात यहां लागू हो रही है। जिस तरह से आज भारत और अमेरिका आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, वह न सिर्फ भारत या अमेरिका के हित में है, बल्कि पूरी मानव जाति के हित में है।

आज विदेश मंत्रालय बता भी रहा है कि अमेरिका ने आतंकवाद का मुकाबला करने के वैश्विक प्रयासों में भारत के नेतृत्व की सराहना की है । वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) आतंकवाद रोधी समिति की एक विशेष बैठक की भारत द्वारा मेजबानी किए जाने की सराहना कर रहा है । इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ते भारत की अमेरिका द्वारा की जा रही प्रशंसा आज यह बताने के लिए पर्याप्त है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार सभी नीतिगत निर्णयों के मामले में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। आज इतना अच्छा कार्य हो रहा है कि दुनिया भर में भारत का सम्मान बढ़ता हुआ हर भारतीय को साफ दिखाई देता है।

## संपादकीय

### बॉंट दी गई है दो हिस्सों में जिन्दगी सारी

प्राय: प्राय: हर मानव की चाह होती है कि चिट भी मेरी हो पट भी मेरी हो । जो सम्भव कम होती है । कभी कहते है कि अभी उम्र ही क्या हुई है तुम्हारी और कभी कहते है कि अभी उम्र नहीं रही आखरि मानव करे तो क्या करे । इस सन्दर्भ में मेरा यही चिन्तन यही चिन्तन है कि व्यक्ति नहीं उसका व्यक्तित्व सुन्दर होना चाहिये । प्रात:काल उठते ही कर्मपथ पर जाते समय दृढ़ निश्चय। अधिक-अधिक से रहना प्रसन्नचित्त। सभी से मित्रतापूर्ण एवं मधुर व्यवहार ।दूसरों के कार्यों दोषों-ग़लतियों-असफलताओं की अपेक्षाकृतअधिक सहिष्णुता-सकारात्मक सोच एवं रचनात्मक रवैया ।अपने कार्य व व्यवहार में ऐसा आभास की किसी भी कार्य में सफलता निश्चित। किसी भी विपरीत परिस्थिति में भी शांत एवं बुद्धि-चातुर्यता भरा व्यवहार ।दूसरों के प्रति सद्व्यवहसर-नम्रता-सद्भावना ।मानवता एवं दिव्य दिवाकर की शक्ती में पूर्ण विश्वास ।अध्यात्म निष्ठा-आगम निष्ठा-गण निष्ठा-गुरु निष्ठा से हर मन का संताप मिटाना। मुक्ति द्वार के चार --सम्यक् ज्ञान-सम्यक् दर्शन-सम्यक् चारित्र-सम्यक् तप के समकित अभ्यास से संयम जीवन जीना ।अपनी दक्षता एवं अर्हता से सभी का दिल जीतना। जैसे जैसे व्यक्तित्व भी समय के साथ बदलता रहता हैं। अपने विचार ,शरीर की शक्ती,ऊर्जा में उतार-चढ़ाव यहाँ तक की ग्रहों के प्रभाव व कर्म भाग्य आदि भी बदलते हैं । व्यक्ति की बुद्धी ,कल्पना शक्ती , चिंता,उत्साह,समाजिक व्यवहार, सृजनशीलता ,प्रशासनिक क्षमता ,शारीरिक क्षमता आदि सभी लक्षण उसमें समाहित हो जाते हैं। इसके सार में यही समझ में आया की महत्वपूर्ण एक मात्र व्यक्ति बनकर जीना नहीं है अपितु महत्वपूर्ण है एक व्यक्तित्व बनकर जीना जहाँ यह सब सुनना नहीं पड़े ।

प्रदीप छाजेड़
( बोरावड़ )

## चिंतन-मनन

### न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

# अकबर हों या शाहजहां ,कोई नहीं बचेगा...

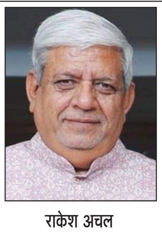

राकेश अचल

भारत तेजी से बदल रहा है । अब यहां एकनजर वाली सरकार अपना रंग दिखा रही है । अब देश में चाहे अकबर हों या शाजहाँ बचने वाले नहीं है। भले ही अकबर और शाहजहां को जहान से गए हुए सैकड़ों साल हो गए हैं लेकिन उनके नाम से हमारी सरकार आज भी नफरत करती है ,बिदकती है । अब इस देश में रहने वाले तमाम अकबरों और शाहजहानों को केवल और केवल इस देश की अदालतों का सहारा है जो अभी भी आम आदमी को आम आदमी मानती हैं ,उन्हें धर्म की नजर से नहीं देखतीं। मेरी बात समझने के लिए आपको एक साथ अनेक खबरों को जोड़कर देखना होगा । पहली खबर डबल इंजन से चलने वाले उत्तर प्रदेश से बनती है । आपको पता है कि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर संस्कृति है । यूपी की सरकार को अकबर के नाम से ही चिढ है । दुर्भाग्य से लखनऊ के कुकरैल नदी के किनारे बसी एक अवैध बस्ती का नाम अकबरनगर है। यहां 1068 से ज्यादा अवैध मकान और 50 से अधिक दुकानें बनी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार इस कुकरैल नदी पर रिवरफ्रंट बनाना चाहती है। जाहिर है कि इसके लिए अकबर नगर को नेस्तनाबूद करना जरूरी है। सरकार की उदारता के चलते अकबर नगर में रहने वाले लोगों के पुनर्वास के लिए सभी को 15 लाख रुपये की कीमत वाला मकान 4.80 लाख में दिया जा रहा है। लेकिन अकबर नगर वाले यहां से जाना नहीं चाहते। फिर भी लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम ने अकबरनगर में 23 बुलडोजर लगाकर दो बड़े कॉम्प्लेक्स-शोरूम ढहा दिए। इससे पहले अकबरनगर की अवैध बस्ती को गिराने की कार्रवाई दिसंबर महीने में हुई थी। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगाते हुए बस्ती के लोगों को राहत दे दी थी। यहां लखनऊ के अकबर नगर में एलडीए की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एलडीए से 4 मार्च तक कार्रवाई न करने को कहा है । सुप्रीम कोर्ट 4 मार्च को इस मामले में अगली सुनवाई करेगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश आने के कुछ ही देर बाद एलडीए ने अपनी कार्रवाई को शुरू कर दिया है ,अब यही यदि अकबर नगर न होकर रामकृष्ण नगर या दीनदयाल नगर होता तो बुलडोजर इनकी और देखते तक नहीं। दूसरी खबर है उत्तर प्रदेश के ही हापुड़ में रहने वाले अब्दुल करीम टुंडा की। अब्दुल क्रीम एक जमाने में पिलखुवा में बढ़ई का काम करता था। मुंबई में 1993 के सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी अब्दुल करीम टुंडा (81 वर्षीय) को गुरुवार, 29 फरवरी को अजमेर की विशेष टाडा अदालत ने सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। मामले के दो अन्य आरोपियों इरफान अहमद और हमीर-उल-उद्दीन उर्फ हमीदुद्दीन को टाडा कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई। सीबीआई अब्दुल करीम टुंडा के खिलाफ ठोस सबूत पेश करने में विफल रही। बंगाल के सन्देश खाली उत्पीड़न के खलनायक शाहजहां खान को भी फिलहाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया ह। भाजपा पिछले कई दिनों से इसी शाहजहां खान की गिरफ्तारी को लेकर राजनीति कर रही थी। हकीकत भी है और अफसाना भी की शाहजहां हों या अकबर हमेशा भाजपा की राजनीति के स्थाई पात्र रहते हैं। संयोग कहें या दुर्भाग्य की देवभूमि उत्तराखंड में जहाँ डबल इंजिन की सरकार है वहां भी हल्द्वानी हिंसा के आरोप अकबर और शाहजहां के भाई बंधु हैं। हल्द्वानी हिंसा के कथित सूत्रधार अब्दुल मलिक है। वहां सरकार सो रही थी और मलिक भाई नोटरी पर सरकारी जमीनें बेच रहे थे वो भी भाजपा नेताओं के संरक्षण में। लेकिन दुर्भाग्य से जब हिंसा भड़की तो अब्दुल मलिक को भाजपा के नेताओं ने अनाथ छोड़ दिया ,हालाँकि उनके साथ सरकारी जमीनों को खुर्दबुर्द करने से होने वाले लाभ में सभी बराबर के हिस्सेदार रहे। उत्तर प्रदेश में ज्ञानवापी का मामला भी अकबर और शाहजहां के कुनबे से ही बाबस्ता है। मुझे कभी -कभी लगता है कि हमारी एकनजर वाली सरकार अकबर और शाहजहां की 20 करोड़ आबादी का आखिर करेगी क्या ? सरकारी पार्टी ने अपने यहां तो विधानसभा हो या लोकसभा या राजयसभा इन लोगों को मौका न देने का इरादा जाहिर कर ही दिया है। लगता है कि सरकार को इस 20 करोड़ की आबादी से अब कोई लेना-देना नहीं है। यदि होता तो एकनजर की सरकार जानबूझकर समान नागरिक संहिता लाने और स्पेशल मैरिज एक्ट को रद्द करने का उत्साह न दिखाती। यदि वाकई समदर्शी सरकार होती तो राम मंदिर जन्मभूमि विवाद सुलझने के बाद सरकार अयोध्या में जितना भव्य राम मंदिर बनाने में सक्रिय रही उतनी ही वहां नई मस्जिद बनवाने में भी सक्रिय भूमिका निभाती। लेकिन ये असम्भव था और है। सरकार को अकबरी वोट नहीं चाहिए । सरकार को तीसरी बार सरकार बनाने के लिए जितने नान अकबरी वोट चाहिए वो उसके पास हैं। उसका काम तो चल ही जाएगा। मजे की बात देखिये कि दो दशक तक न्याय का इन्तजार करने के बाद बरी हुए टुंडा के मन में कोई नफरत नहीं है ,कोर्ट के फैसला आने के बाद अब्दुल करीम टुंडा ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा, कोर्ट ने मुझे बरी कर दिया है, कोर्ट की बहुत मेहरबानी. सच्चाईछुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, खुशबू आ नहीं सकती कागज के फूलों से...। आपको बता दें कि पांच व 6 दिसंबर, 1993 को मुंबई से नई दिल्ली, नई दिल्ली से हावड़ा, हावड़ा से नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, सूरत से बड़ौदा फ्लाइंग क्वीन एक्सप्रेस, हैदराबाद से नई दिल्ली आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस ट्रेनों में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे. इस आतंकी बम धमाकों में दो यात्रियों की मृत्यु हुई थी।

# मुद्दा : कहां जा रही इंसानियत

रजनीश कपूर

अंग्रेजों के शासन के समय भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार के खूब किस्से आप सबने पढ़े और सुने होंगे परंतु आज के भारत में यदि आपको किसी सरकारी व्यक्ति के दुर्व्यवहार की घटना के बारे में पता चलता है तो आपको गुस्सा न आए, ऐसा हो नहीं सकता। घटना कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की है जहां पर मेट्रो के सुरक्षाकर्मी ने एक बुजुर्ग यात्री को इसलिए ट्रेन में चढ़ने नहीं दिया क्योंकि उस बुजुर्ग किसान के कपड़े गंदे और पुराने दिखाई दे रहे थे। जब मेट्रो के सुरक्षाकर्मी की इस हरकत पर सह-यात्रियों ने आपत्ति जताई तो वहां पर हंगामा खड़ा हो गया और देखते ही देखते इस पूरे प्रकरण का वीडियो वायरल हो गया। मेट्रो सुरक्षाकर्मी की इस गैर-जिम्मेदाराना हरकत ने औपनिवेशिक काल की याद दिला कर एक बार फिर से सवाल खड़ा कर दिया है कि हम इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं?

इक्कीसवीं सदी में क्या कभी किसी ने ऐसी कल्पना की होगी कि कोई एक इंसान दूसरे के प्रति इतना द्वेष इसलिए रखे क्योंकि वो या तो किसी निचले तबके का है, या किसी अन्य धर्म या जाति का है, या सिर्फ इसलिए कि उसके पहनावे से उसके गरीब होने का परिचय मिलता है। एक ओर जब हम बराबरी और सम्मान की बात करते हैं तो क्यों भूल जाते हैं कि हमारे देश में सिखों के गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा था कि 'अव्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बंदे, एक नूर ते सब जग उपजा कौन भले कौन मंदे'। इस वाणी के अनुसार गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने किसी भी प्राणी में जात का भेद समाप्त कर दिया था। बल्कि उन्होंने ऊंच-नीच के भेदभाव को भी समाप्त करने का संदेश दिया। परंतु क्या आज हम ऐसे संदेशों पर अमल करते हैं? मामला चाहे एक बुजुर्ग किसान को मेट्रो पर न चढ़ने देना का हो या किसी आदिवासी या निचला माने जाने वाले तबके की जाति के व्यक्ति के साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार की घटना का हो, हमेशा इंसानियत ही शर्मसार होती है।

जब पता चलता है कि दुर्व्यवहार करने वाला किसी बड़े राजनैतिक दल का मामूली सा कार्यकर्ता है तो उस पर राजनीति भी शुरू हो जाती है परंतु यहां किसी राजनैतिक दल की बात नहीं है, बल्कि इंसानों में खो रही इंसानियत की बात है। ऐसा क्यों है कि कुछ लोग पैसे, पद या राजनीति के घमंड में किसी दूसरे को अपने से नीचा देखने लगते हैं? क्या इस संवेदनशील विषय पर उन्हें उनके बड़े-बुजुर्गों ने सही पाठ नहीं पढ़ाया? क्या यह सही नहीं है कि जब कोई महंगी और आलीशान गाड़ी में चलता है तो सड़क पर पैदल चलने वालों को कुछ नहीं समझता? सड़क जितनी महंगी गाड़ी वालों की है उतनी ही पैदल चलने या सस्ते वाहन के मालिकों की भी है। आजकल सोशल मीडिया युग में देखा गया है कि जैसे ही बेंगलुरु , उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश या देश के किसी भी कोने में ऐसी असंवेदनशील घटनाएं वायरल होती हैं, तो आननझ्रफानन में कार्रवाई भी हो जाती है। बेंगलुरु में मेट्रो के प्रबंधकों ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए उस सुरक्षाकर्मी को तुरंत प्रभाव से निलंबित तो कर दिया परंतु सुरक्षाकर्मी हो या किसी भी राजनैतिक दल के कार्यकर्ता, उन्हें आम आदमी से बर्ताव करने के लिए विशेष हिदायत या प्रशिक्षण क्यों नहीं दिया जाता? अक्सर हमें यह भी सुनने को मिलता है कि कभी किसी एयरलाइंस द्वारा जरूरतमंद की व्हीलचेयर की मांग को अनदेखा किया जाता है परंतु जब ऐसे मामले तूल पकड़ते हैं तो सभी चौकन्ना हो जाते हैं। आखिर, हमारी संवेदनाओं का स्तर इतना गिरता क्यों जा रहा है? भारत भगवान राम और कृष्ण का देश है, जिन्होंने शबरी माता के झूठे बेर और सुदामा के तंदुल स्वीकार कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया था।

हर दल के बड़े नेता देश में बराबरी का संदेश तो जरूर देते हैं। यह भी देखा गया है कि अक्सर जब ये नेता किसी नये भवन या सार्वजनिक स्थल का लोकार्पण करते हैं, तो उसका निर्माण करने वाले मजदूरों का सम्मान भी करते हैं। परंतु जब उन्हीं के दल का कोई कार्यकर्ता या छुटभैया नेता सड़क पर या अपने इलाके में अपनी दबंगई दिखाता है, तो लगता है कि बराबरी का संदेश देने की नीयत से नेताओं द्वारा गरीबों का सम्मान केवल फोटो खिंचवाने की दृष्टि से ही किया जाता है। बेंगलुरु में बुजुर्ग और गरीब किसान को टिकट होने के बावजूद ट्रेन में चढ़ने नहीं दिया गया और वो लाचार हो कर एक कोने में तब तक खड़ा रहा जब तक किसी ने इस बात का विरोध नहीं किया। इससे यह संदेश जरूर गया है कि आज के युग में हम जब भी ऐसी घटना होते देखें तो इसका विरोध अवश्य करें। लोग विरोध इसलिए नहीं करते क्योंकि कौन फालतू के बवाल में पड़े परंतु जरा सोचिए कि आप यदि किसी काउंटर की लाइन में अपनी बारी आने की प्रतीक्षा में हों और अचानक कोई वीआईपी बन कर बिना लाइन में लगे सीधे ही काउंटर पर चला जाए तो क्या आप इसका विरोध नहीं करेंगे? ठीक उसी तरह, यदि आप किसी के साथ अन्याय होता देखें तो उसका विरोध अवश्य करें वरना बेंगलुरु जैसी घटनाएं बढ़ती रहेंगी और इंसानियत बार-बार शर्मसार होगी।

# सूखी धरती पर कैसे करें खेती

भारत में कुल भौगोलिक क्षेत्र का 9 प्रतिशत (31.7 करोड़ हैक्टर) शुष्क (एरिड) क्षेत्र है । इस शुष्क क्षेत्र का सबसे अधिक भाग (62 प्रतिशत) अकेले राजस्थान राज्य में है । शेष क्षेत्र गुजरात (19 प्रतिशत), पंजाब व हरियाणा (9 प्रतिशत), कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश (10 प्रतिशत) राज्यों में है ।

राजस्थान में शुष्क क्षेत्र राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के 12 जिलों में फैला हुआ है। राज्य का ये क्षेत्र अपनी विषम परिस्थितियों के लिए दूसरे क्षेत्रों से विचित्र है । कम तथा असमान वर्षा (180 से 430 मि.ली.), अधिक तापमान (40 से 48 से.) अधिक वायु गति (60 से 110 कि.मी. प्रति घंटा तक) और अधिक वाष्पोत्सर्जन (1500 से 200 मि.मी. प्रति वर्ष) इत्यादि क्षेत्र को अन्य क्षेत्रों से विभिन्न परिस्थितियों वाला बनाते हैं । विषम जलवायु ही क्षेत्र को यदा-कदा सूखे से ग्रसित रखती है । विषम सूखे की स्थिति में सतही और भू-जल के स्तर में कमी आ जाती है , भूमि कटाव से उपजाऊ भूमि की क्षति होती है व फसल उत्पादन काफी कम हो जाता है तथा अन्न, चारा व पानी की कमी के कारण मानव व पशुओं को जीवन यापन करना कठिन हो जाता है । ऐसी स्थिति में मनुष्य को पशुओं सहित अन्न, चारे एवं पानी के लिए प्रवर्जन करने पर मजबूर होता पड़ता है । अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि पिछले सौ वर्षों में किसी न किसी क्षेत्र में 30 से 55 प्रतिशत वर्षों में मौसमी (मीटीरियोलॉजिकल) सूखा पड़ा है ।

जलवायु विषमताओं के अतिरिक्त शुष्क क्षेत्र में लगभग 58 प्रतिशत भाग में रेत के ऊंचे-ऊंचे टिब्बे फैले हुए हैं, जिनकी ऊंचाई 10 से 40 मीटर तक है, तथा अधिकतर चलायमान हैं। अधिक वायु गति के कारण कृषि योग्य भूमि, रेल, सड़क इत्यादि को बहुत क्षति होती है । क्षेत्र की अधिकतर भूमियां रेतीली हैं, जिनमें जैविक पदार्थ और नाइट्रोजन की कमी के कारण उर्वरा शक्ति बहुत ही कम है । इन भूमियों में चिकनी मिट्टी की कमी से पानी धारण करने की क्षमता भी बहुत कम है तथा भूमि, वायु और जल कटाव के लिए बहुत ही संवेदनशील है ।

शुष्क क्षेत्र में सतही और भू-जल की बहुत कमी है, जिनके परिणामस्वरूप केवल 10.5 प्रतिशत क्षेत्र ही सिंचित है तथा शेष क्षेत्र वर्षा पर निर्भर है । क्षेत्र में वर्षा ही अच्छे पानी का मुख्य स्रोत है तथा शुष्क क्षेत्र में कुल पानी का 89 प्रतिशत भाग वर्षा से ही प्राप्त होता है । वर्षा का अधिकांश भाग (78 से 96 प्रतिशत तक) जून से सितम्बर तक दक्षिणी -पश्चिमी मौनसून द्वारा 10 से 12 दिनों में प्राप्त हो जाता है जिसके कारण अधिकांश पानी भूमि व वनस्पति को क्षति पहुंचाते हुए बह जाता है । भू-जल के 80 प्रतिशत भाग में 2.20 डेसी मोल से अधिक घुलनशील सांद्रता है । ऐसे पानी से सिंचाई करने पर भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है । भू-जल का स्तर बहुत ही गहरा है तथा अधिक दोहन के कारण प्रति वर्ष जलस्तर 0.2 से 0.8 मी. तक कम हो जाता है ।

इसके अतिरिक्त क्षेत्र में मानव व पशुओं की संख्या बहुत ही तीव्र गति से बढ़ रही है । क्षेत्र की जनसंख्या वर्ष 1951 में 58.7 लाख के मुकाबले वर्ष 2001 में 2.25 करोड़ हो गई है जो अभी तक तीन करोड़ के लगभग पहुंच गई है। इसके परिणामस्वरूप पिछले 20 वर्षों में जनसंख्या घनत्व 64 से बढ़कर 95 मानव प्रति वर्ग कि.मी. हो गया है तथा कृषि भूमि प्रति व्यक्ति सन् 1901 से 6.1 हैक्टर से घटकर वर्ष 2001 में लगभग 1 हैक्टर हो गयी है । इस प्रकार यह शुष्क क्षेत्र दुनिया के शुष्क क्षेत्रों में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला क्षेत्र हो गया है । इसके अतिरिक्त पशुओं की संख्या में बहुत बढ़ोत्तरी हुई है । 1956 में 1.34 करोड़ से बढ़कर 1997 में 2.86 करोड़ हो गई है । ऐसी स्थिति में सभी के लिए अनाज, चारा एवं पानी की आपूर्ति करना कठिन कार्य होगा । एक अनुमान के अनुसार 2021 तक क्षेत्र में 26.7 लाख टन अनाज , 10.7 लाख टन दालें एवं 1.50 लाख टन खाद्य तेल की आवश्यकता होगी । इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष लगभग 2.2 करोड़ टन सूखे चारे एवं 4.2 करोड़ टन हरे चारे की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में सूखे चारे का 64 प्रतिशत एवं हरे चारे का लगभग 20 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है । इन परिस्थितियों में कृषि उत्पादन में स्थायित्व को प्राप्त कर ही भविष्य की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। यह कामयाबी केवल उन्नत तकनीकों के विकास एवं अंगीकरण से ही प्राप्त की जा सकती है। शुष्क क्षेत्र में पिछले लगभग 50 वर्षों से काजरी ने कृषि स्थायित्व और क्षेत्र की संपन्नता के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अनुसंधान किये हैं तथा तकनीकों को विकसित करके टिकाऊ उत्पादन प्राप्त करने के लिए अथव प्रयास किये हैं ।

## यों हुआ फसल सुधार

शुष्क क्षेत्र में परंपरागत विधियों से खेती करने और अनेक जीवीय व अजीवीय कारणों से सभी फसलों की औसत उपज बहुत ही कम है। औसत उपज को अधिक बढ़ाने के लिए संस्थान ने विभिन्न पहलुओं पर उन्नत तकनीकें विकसित की हैं। विभिन्न परिस्थितियों में वर्षानुसार फसल, घास एवं वृक्ष लगाने की अनुशंसा की गयी है तथा फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए अनेक उन्नत तकनीकें विकसित की गयी हैं ।

## जरूरत उन्नत किस्मों की

शुष्क क्षेत्र में फसलों से अधिक पैदावार प्राप्त करने में फसल की पकने की अवधि का बहुत बड़ा योगदान होता है क्योंकि शुष्क क्षेत्र में फसल उगाने के लिए 10 से 12 सप्ताह का समय मिलता है । इस अवधि में जो फसलें पक जाती हैं, उनसे अच्छी पैदावार प्राप्त हो जाती है। अन्यथा देरी से पकने वाली फसलों में नमी की कमी के कारण फसल अच्छी तरह से पक नहीं पाती। परिणामस्वरूप पैदावार कम होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने बाजरे की सी.जेड.पी. 9802 व सीजेड.पी-आई सी. 923 किस्म विकसित की है। ये संकुल किस्में हैं तथा 75 से 85 दिनों में पक जाती हैं एवं दाने व चारे, दोनों की अच्छी पैदावार प्राप्त होती है । इन किस्मों द्वारा 10 से 15 क्विं. प्रति हैक्टर दाने की उपज प्राप्त हो जाती है।

मोठ की काजरी मोठ-1, काजरी मोठ-2 व काजरी मोठ-3 किस्में 65 से 57 दिनों में पक जाती हैं । इन किस्मों से 6 से 8 क्विं. प्रति हैक्टर तक बीज की उपज प्राप्त हो जाती है । ग्वार की मारू ग्वार किस्म जो 85 से 90 दिनों में पक जाती है तथा 8 से 10 क्विं. प्रति हैक्टर तक बीज की उपज प्राप्त हो जाती है। इसके अतिरिक्त विभिन्न फसलों की अनेक उन्नतशील किस्मों को इस क्षेत्र के लिए चिन्हित किया है, जिनमें बाजरे की एचएचबी 67, आरएचबी 121, पूसा 222 व एमएच 169 प्रमुख हैं तथा मोठ की आर एम ओ-40, आर एम ओ 435 व आर एम ओ 225, ग्वार की आर जी सी 936 व आर जी सी 1001, मूंग की के 851, आर एम जी 62 व आर एम जी 268, तिल की टी सी 25 व आर टी 46 किस्में सम्मिलित हैं । इन किस्मों के द्वारा स्थानीय किस्मों की अपेक्षा 50 से 57 प्रतिशत तक अधिक पैदावार प्राप्त हो जाती है ।

## ताकि धरती न हो बांझ

शुष्क क्षेत्र की अधिकतर भूमियों की उर्वरा शक्ति बहुत ही कम है । अतः अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए उचित पोषक प्रबंधक बहुत ही आवश्यक है। प्रयोगों द्वारा ज्ञात हुआ है कि क्षेत्र एवं भूमि की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी फसलों में समन्वित पोषक प्रबंधन बहुत ही लाभदायक व प्रभावी है । सभी फसलों में पोषक तत्वों की आधी मात्रा कार्बनिक खाद (जिसमें गोबर, कम्पोस्ट एवं मिंगनी की खाद) के साथ-साथ आधी मात्रा रासायनिक उर्वरकों एवं बीज को जैव उर्वरक (राइजोबियम या एजेटोबैक्टर एवं पी एस बी) से उपचारित करने पर सभी फसलों की औसत उपज में संतोषजक वृद्धि हुई है तथा अधिक लाभ भी प्राप्त हुआ है।

## प्यासी धरती पानी मांगें

शुष्क क्षेत्र में पानी की कमी को देखते हुए उचित जल प्रबन्ध बहुत ही आवश्यक है । सतही एवं भू-जल की अधिक से अधिक क्षमता बढ़ाने में उचित जल प्रबन्ध का महत्वपूर्ण स्थान है । वर्षा के पानी को भूमि की सतह एवं अधोसतह से विभिन्न विधियों द्वारा एकत्रित किया जाता है । अधोसतह में वर्षा जल को एकत्रित करने के लिए अन्तः पंक्ति एकत्रिकरण और अन्तः क्षेत्र एकत्रिकरण विधियां अपनाई गई हैं । अन्तः पंक्ति विधि में 30 से 40 सें.मी. व्यास के 15 सें.मी. गहरे कूंडे बनाये जाते हैं । इन कूंडो में क्षेत्र पट्टी से वर्षा जल एकत्रित होकर कूंड में फसल के लिए अधिक समय तक नमी प्रदान करता है । अन्तः क्षेत्र पद्धति में फसल उगाने वाली पट्टियों के बाद बैंच बनाई जाती है तथा बाद में फिर पट्टी बनाई जाती है, इस प्रकार एक दिशा मे 1.5 मीटर का कैचमेन्ट और दोनों तरफ 3 मीटर चौड़े क्षेत्र से पानी एकत्रित किया जाता है । इस पद्धति से अधिक नमी द्वारा फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है । वर्षा जल को अपधावन के रूप में होने वाली क्षति को रोकने के लिए वर्षा जल को तालाब, जलाशय, खडिन एवं टांकों में एकत्रित किया जाता है । संस्थान द्वारा उन्नत किस्म के टांकों का डिजाइन तैयार किया गया है तथा घरों की छत से भी इन टांकों में पानी एकत्रित करने की विधि विकसित की गई है । टांके के चारों ओर केचमैंट क्षेत्र से पानी एकत्रित कर यह पानी फलदार वृक्षों की सिंचाई करने, पशुओं एवं मनुष्यों के पीने के काम भी लिया जा सकता है, टांका ऊपर से ढका होने कारण पानी की वाष्पोत्सर्जन द्वारा कम क्षति होती है तथा स्वच्छता भी बनी रहती है ।

खडिन पद्धति बहुत ही प्रभावी है । जलग्रहण के निचले क्षेत्रों में पानी को एकत्रित किया जाता है । खडिन में रबी में सरसों, चना, गेहूं की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है, काजरी ने जल ग्रहण क्षेत्र में खडिन से चने की 18 से 20 क्विंटल प्रति. हैक्टर तक पैदावार प्राप्त की है। इसी प्रकार से कम वर्षा की स्थिति में खरीफ ऋतु में बाजरा व चारे वाली फसलों जैसे ज्वार को सफलतापूर्वक उगाया गया है तथा हरे चारे की भी 100 क्विंटल प्रति हैक्टर तक उपज प्राप्त की गई है ।

## नमी बनाए रखने के प्रयास

शुष्क क्षेत्र में अधिक तापमान व वायु की गति होने के कारण नमी शीघ्र ही सूख जाती है। नमी की क्षति को रोकने के लिए बिछावन को प्रयोग में लाने के लिए अनेक अनुसंधान किये गये हैं। घास की बिछावन द्वारा मूंग, मोठ व ग्वार की पैदावार 20 प्रतिशत तक अधिक प्राप्त की गई है। इसी प्रकार पोलीथीन की बिछावन तथा बाजरे की बिछावन से पानी उपयोगी बिना बिछावन के अधिक प्राप्त हुई।

## सिंचाई की उन्नत विधियां

पानी की क्षति को कम करने एवं उपयोगिता बढ़ाने के लिए सिंचाई की विभिन्न विधियों पर प्रयोग किये गये हैं । प्रयोगों द्वारा ज्ञात हुआ है कि फुव्वारा विधि के प्रयोग से गेहूं की पैदावार चेक बेसिन (क्यारी) विधि की अपेक्षा 33 से 37 प्रतिशत अधिक हुई ।

बूंद-बूंद विधि द्वारा 30 से 50 प्रतिशत तक पानी की बचत की जा सकती है । बूंद-बूंद विधि लवणीय पानी द्वारा सिंचाई करने में भी प्रभावी है । 3 से 10 घुलनशील लवणता वाले पानी द्वारा आलू व टमाटर की अच्छी उपज प्राप्त की गई है । लवणीय पानी द्वारा लगातार सिंचाई करने से लवण भूमि की निचली सतह में पहुंच जाते हैं जिससे लवणों का हानिकारक प्रभाव कम हो जाता है । बूंद-बूंद सिंचाई विधि द्वारा रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से पोषक तत्वों की उपयोग क्षमता अधिक पायी गई है ।

## खरपतवार रहें काबू में

शुष्क क्षेत्र में नमी एवं पोषक तत्व फसल उत्पादन के प्रमुख घटक हैं । खरपतवार फसलों के साथ नमी व पोषक तत्वों के लिए प्रतिस्पर्धा कर फसल उपज को कम कर देते हैं । प्रयोगों से ज्ञात हुआ है कि मूंग व ग्वार में एलाक्लोर नामक खरपतवारनाशी के प्रयोग से 100 प्रतिशत से अधिक तक पैदावार प्राप्त की गई है। इसी प्रकार मोठ में फ्लूक्लोरालीन 0.75 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर छिड़काव करने के बाद 30 दिन पश्चात् एक गुड़ाई करने से फसल की पैदावार दो बार गुड़ाई करने के लगभग बराबर प्राप्त की गई है । जीरे में खरपतवारों की प्रतिस्पर्धा द्वारा पोषक तत्व एवं जल उपयोगिता क्षमता बहुत अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए फसल 25 से 35 दिनों तक खरपतवारों से मुक्त रहनी चाहिये । जीरे में खरपतवारों रहित फसल की पैदावार 418 कि.ग्रा. प्राप्त हुई, जबकि सम्पूर्ण फसल अवधि तक क्षेत्र को खरपतवार ग्रसित रखने पर केवल 151 कि.ग्रा. ही उपज प्राप्त की गई ।

मोठ की फसल से खरपतवार नियन्त्रण के लिए फ्लूक्लोरालीन खरपतवारनाशी के छिड़काव के बाद हाथ से गुड़ाई करने पर सबसे अधिक उपज व लाभ प्राप्त किया गया है । फसल से खरपतवार नियन्त्रण के लिए लघु उपकरण, जिससे कम कीमत की उन्नतशील कस्सी और खरपतवार नियंत्रण मशीन सम्मिलित है, का उपयोग लाभकारी है।

## समस्या पपड़ी की

शुष्क क्षेत्र की भूमियों में अधिक सिल्ट होने के कारण यदि बुआई के बाद और फसल उगने से पहले वर्षा हो जाये तथा तेज धूप और हवा के कारण खेत सूख जायें तो भूमि की ऊपरी सतह पर सख्त परत (पपड़ी) बन जाती है, जिसके कारण कुछ फसलों जिनमें बाजरा व तिल प्रमुख हैं, पौधे उग नहीं पाते हैं । इस कारण खेत में पौधों की संख्या कम हो जाती है । यदि कुछ पौधे उग भी जाते हैं तो उनकी वृद्धि एवं विकास अच्छी प्रकार नहीं हो पाता तथा फसल उपज बहुत कम हो जाती है। कृषकों को फसलों की बुआई बार-बार करनी पड़ती है । इस समस्या से निजात पाने के लिए प्रयोगों द्वारा ज्ञात हुआ है कि गोबर की खाद 10 टन प्रति हैक्टर की दर से कूंड में प्रयोग करने से परत (पपड़ी) द्वारा होने वाली फसल की क्षति को बचाया जा सकता है ।

## अन्तःफसलीय पद्धति का विकास

शुष्क क्षेत्र में कम वर्षा व इसकी असमानता के कारण मिश्रित खेती का प्रचलन बहुत ही अधिक है । मिश्रित खेती में बारे बाजरे (55-60 प्रतिशत लगभग), मूंग (15 प्रतिशत) मोठ (15 प्रतिशत), ग्वार (10 प्रतिशत) व तिल (5 प्रतिशत लगभग) के बीजों को मिश्रित कर उगाया जाता है । विषम मौसम के कारण फसल नहीं होने के डर तथा घर की आवश्यकता पूर्ति करने के लिए अधिकतर भाग में मिश्रित खेती की जाती है, लेकिन इस खेती में अनेक प्रकार के नुकसान भी हैं जैसे निराई-गुड़ाई की समस्या, उचित संख्या में पौधों का न होना, अच्छी प्रकार से पादप सुरक्षा न कर पाना तथा कटाई एंव मंड़ाई में कठिनाई इत्यादि । इस प्रणाली में सुधार कर अन्तःफसल प्रणाली विकसित की गई है जिसके द्वारा मिश्रित खेती एवं केवल एक ही फसल की खेती की अपेक्षा अधिक उपज प्राप्त की गई है । बाजरे की दो पंक्तियो के मध्य ग्वार, मूंग व मोठ की फसल उगाने से केवल बाजरे की फसल उगाने की अपेक्षा बिना उपज प्रभावित किये क्रमशः 381, 381 व 458 कि.ग्रा. अधिक उपज प्राप्त की गई। इसी तरह बाजरे व ग्वार की 1:1 पंक्ति से बुआई करने पर मिश्रित खेती से अधिक उपज प्राप्त की गई ।

## फसल प्रणाली में सुधार

शुष्क क्षेत्र में बाजरा प्रमुख अनाज वाली फसल है लेकिन एक ही खेत में लगातार बाजरे की फसल लेने से चौथे वर्ष बाजरे की पैदावार 79 प्रतिशत तक कम हो जाती है । संस्थान में फसलों से अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए फसल प्रणाली में सुधार कर 5 वर्षों तक लगातार बाजरा लेने की अपेक्षा तीन वर्षों तक ग्वार व दो वर्षों तक बाजरे की फसल उगाने पर 27 प्रतिशत कार्बनिक कार्बन की अधिक मात्रा पाई गई । इसी तरह फास्फोरस की 48 प्रतिशत अधिक मात्रा पाई गई । लगातार बाजरा उगाने की अपेक्षा ग्वार-बाजरा-ग्वार उगाने से चौथे वर्ष 39 प्रतिशत दाने की अधिक पैदावार प्राप्त की गई।

## कीट व्याधियों पर काबू

विभिन्न फसलों में लगने वाले कीट और बीमारियों के नियंत्रण के लिए संस्थान में अनेक शोध किये गये हैं, जिसमें जैविक नियंत्रण को प्राथमिकता दी गई है। मूंग व मोठ में कीट नियंत्रण के लिए नीम की गोलियां, नीम पाउडर व नीम तेल का छिड़काव बहुत प्रभावी पाया गया है । ग्वार, मूंग व मोठ फसलों के बीज को मरुसेना नामक फफूंदनाशक से उपचारित करने पर बीमारियों का प्रकोप बहुत कम हो जाता है।

## फसल विविधीकरण

शुष्क क्षेत्र में विषम परिस्थितियों के होते हुए भी किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रयास किये गये हैं । विभिन्न औषधीय फसलों सोनामुखी, ग्वारपाठा, मेहन्दी की खेती कर पारंपरिक फसलों की अपेक्षा अधिक लाभ प्राप्त किया गया है । सोनामुखी के बचे तनों का घोल बनाकर छिड़काव करने से बाजरा व गेहूं की उपज में संतोषजनक वृद्धि प्राप्त की गई है ।

## उद्यानिकी फसलों की सफलताएं

मरुक्षेत्र में आमदनी, रोजगार, लकड़ी, फल व चारा प्रदान करने में उद्यानिकी वृक्ष, मुख्यतः बेर बहुत प्रभावी पाया गया है । संस्थान ने अधिक उपज प्राप्त करने के लिए बेर की उन्नत किस्में जिनमें सेब, गोला व मुडिया प्रमुख हैं, विकसित की हैं । इन किस्मों से फल की उपज 20 से 40 क्विंटल / हैक्टर तक प्राप्त हो जाती है तथा बेर को पानी की भी बहुत कम आवश्यकता होती है । इसके अतिरिक्त अधिक उपज करने के लिए बेर की दो पंक्तियों में दलहनी फसलों जैसे मूंग, मोठ व ग्वार को सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है । बेर के साथ मूंग उगाने पर 2800 रुपये तक प्रति हैक्टर की अतिरिक्त आमदनी प्राप्त की गई है ।

बेर के अतिरिक्त शुष्क क्षेत्र में आंवला, अनार, खजूर, बेल व गूंदा इत्यादि फलदार वृक्ष सफलतापूर्वक उगाये जा सकते हैं । आंवले की कृष्णा व कंचन, अनार की जालोर बेदाना, बेल की धारा रोड व खजूर की फैजाबादी एवं काजरी सलैक्शन-10 किस्में शुष्क क्षेत्र के लिए उपयुक्त पायी गई हैं ।

## पेटीएम और पेटीएम पेमेंट बैंक के बीच खत्म होंगे कई एग्रीमेंट

**मुंबई ।** पेटीएम और पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के बीच कई एग्रीमेंट्स खत्म हो सकते हैं। पेटीएम के बोर्ड ने अपनी एसोसिएट एंटिटी, पीपीबीएल के साथ कई इंटर-कंपनी एग्रीमेंट्स को खत्म करने की मंजूरी दे दी है। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्यु निकेशंस ने 1 मार्च को इस बारे में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा पीपीबीएल के शेयरधारक पीपीबीएल की गवर्नेंस को सपोर्ट करने के लिए शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट (एसएचए) को सरल बनाने पर सहमत हुए हैं। अपने स्टॉक एक्सचेंज अपडेट में वन 97 कम्यु निकेशंस ने कहा कि बोर्ड ने 1 मार्च 2024 को समझौतों को समाप्त करने और शेयर होल्डर्स एग्रीमेंट में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसके अलावा पेटीएम और पीपीबीएल ने पेटीएम और इसकी ग्रुप एंटिटीज के बीच कई इंटर-कंपनी समझौतों को खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे पहले पेटीएम ने घोषणा की थी कि वह अन्य बैंकों के साथ नई साझेदारी करेगी और अपने ग्राहकों व मर्चेंट्स को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए उपाय करेगी। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ ली गई नियामकीय कार्यवाही के चलते आया है।

## घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा, डीजल पर घटा

**नई दिल्ली ।** केंद्र सरकार ने शुक्रवार से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर 3,300 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। एक आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया गया है लेकिन डीजल के निर्यात पर लगने वाले कर को 1.50 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर लगने वाले कर को पहले की तरह शून्य रखा गया है। नई दरें एक मार्च से प्रभावी हो गई हैं। देश में पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया गया था। इसके साथ ही भारत उन देशों में शामिल हो गया था जो ऊर्जा कंपनियों को होने वाले असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े इन कर दरों की समीक्षा की जाती है।

## टोयोटा ने पिछले माह सबसे ज्यादा वाहन बेचे

**नई दिल्ली ।** वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फरवरी में 25,220 इकाइयों की बिक्री के साथ अब तक की अपनी सबसे अच्छी मासिक थोक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने शुक्रवार को फरवरी के थोक बिक्री आंकड़े जारी करते हुए कहा कि उसकी आपूर्ति पिछले महीने 61 प्रतिशत बढ़कर 25,220 इकाई हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 15,685 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 23,300 इकाई रही जबकि उसने 1,920 इकाइयों का निर्यात किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम विभिन्न क्षेत्रों से अच्छी ग्राहक पूछताछ के साथ मांग को बढ़ते हुए देख रहे हैं। विशेषकर एसयूवी और एमयूवी मॉडलों में ज्यादा मांग आ रही है।

## पावर ट्रांसमिशन विदेशी बांडों से जुटाएगी 400 मिलियन डॉलर

**मुंबई ।** एशिया के दूसरे सबसे अमीर अरबपति गौतम अदाणी की पावर ट्रांसमिशन कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड विदेशी बांडों से 400 मिलियन डॉलर जुटा सकती है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा अमेरिकी करेंसी डील अगले तीन महीनों में होने की उम्मीद है। इसमें अदाणी की इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स (सब्सिडियरी कंपनियां) भी शामिल हो सकती है। गौरतलब है कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडबनर्ग रिसर्च की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के बाद से अदाणी ग्रुप की कंपनियों को काफी संकट का सामना करना पड़ा। इसके शेयरों में भारी गिरावट आई और कंपनियों की वैल्यूएशन भी लगातार गिरती गई। जिसके चलते इसे अपनी कंपनियों में कुछ हिस्सेदारी भी बेचनी पड़ी थी। लेकिन बाद में मार्केट रेगुलेटर सेबी की तरफ से जांच रिपोर्ट सौंपने के बाद अदाणी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली और ग्रुप की कंपनियों ने फिर से रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया। अब अगर अदाणी ग्रुप की सभी 10 कंपनियों को मिला दिया जाए तो इसके विदेशी लोन में भी सितंबर 2023 तक 61 फीसदी की कमी देखी गई।

# उत्पादन में कमी से हल्दी के भाव 16 फीसदी चढ़े

**नई दिल्ली ।**

उत्पादन में गिरावट का असर हल्दी की कीमतों पर दिख रहा है। बीते कुछ दिनों से इसके भाव चढ़ रहे हैं। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में हल्दी की कीमतों में और तेजी आ सकती है। इसके भाव 18,000 रुपये तक जा सकते हैं। बीते कुछ दिनों से हल्दी के भाव लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 15 दिन में हल्दी के वायदा भाव करीब 2,400 रुपये बढ़ चुके हैं। कमोडिटी एक्सचेंज नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर 14 फरवरी को हल्दी का अप्रैल अनुबंध 14,970 रुपये के भाव पर बंद हुआ था, जो अब 17,334 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर दिन का उच्च स्तर छू लिया। इस तरह बीते 15 दिन में हल्दी करीब 16 फीसदी महंगी हुई है। आगे इसके भाव 18,000 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर को छू सकते हैं। बाजार विश्लेषकों मुताबिक इस साल हल्दी के उत्पादन में बड़ी गिरावट आने की संभावना है। साथ ही पुराना स्टॉक भी कमजोर है। मौसम प्रतिकूल रहने से अच्छी गुणवत्ता वाली हल्दी की इस साल कमी रह सकती है। इस साल हल्दी का उत्पादन 50 से 55 लाख बोरी होने का अनुमान है। जो पिछले

साल के उत्पादन 80 से 85 लाख बोरी (60 किलो) से काफी कम है। इन दिनों मंडियों में हल्दी की आवक कम हो रही है। फरवरी में अब तक मंडियों में करीब 12,270 टन हल्दी की आवक हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि में हुई 35,150 टन आवक की तुलना में ढाई गुना से भी कम है।

## रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

**मुंबई ।**

रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन पर अगले छह महीने के लिए निर्यात पर प्रे तिबंध लगा दिया है। जानकारी के मुताबिक रूस में पेट्रोलियम पदार्थों की कमी से यह निर्णय लिया गया है। इससे आने वाले दिनों में भारत में पेट्रोल की कीमतों में इजाफा हो सकता है। दरअसल, भारत बड़ी मात्रा में रूस से कम कीमतों पर कच्चे तेल का आयात करता है। उपभोक्ताओं और किसानों की गैसोलीन की बढ़ती मांग की भरपाई करने और रिफाइनरियों के मेंटेनेंस के लिए ये फैसला लिया गया है। रूस के उप प्रधान मंत्री एलेक्जेंडर नोवाक के एक प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी दी। ऊंची घरेलू कीमतों और कमी से निपटने के लिए रूस ने पिछले साल सितंबर और नवंबर के बीच भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था। जिसमें केवल चार पूर्व-सोवियत राज्यों बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया और किर्गिस्तान को छूट दी गई थी। इस बार ये प्रतिबंध यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के सदस्य देशों पर लागू नहीं होगा।

## बिटकॉइन लगभग 64,000 डॉलर, तोड़ सकता है पुराने रिकॉर्ड

**मुंबई ।** बबजरि विशेषज्ञों का मानना है कि आशावाद के कारण बिटकॉइन आधा होने से पहले लगभग 69,000 डॉलर के अपने सार्वजे निक उच्च स्तर को भी पार कर सकता है। एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के आसपास बढ़ती रुचि और आगामी पड़ाव के कारण पिछले सप्ताह बिटकॉइन में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में अब तक मार्केट कैप के हिसाब से सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। टोकन वर्तमान में कुल प्राइस में 53 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ क्रिप्टो बाजार पर हावी है। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस उछाल का श्रेय अमेरिका में दस स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ को दिया जाता है, जिन्होंने खुदरा निवेशकों के क्रिप्टो रैली में कूदने के कारण 7.7 बिलियन डॉलर के ट्रेडिंग वॉल्यूम को पार करके एक नया दैनिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि ब्लैकरॉक के बिटकॉइन ईटीएफ ने पिछले दिन 3.3 बिलियन डॉलर का कारोबार किया, जो इसके पिछले वॉल्यूम रिकॉर्ड से दोगुना है। बिटकॉइन के आधे होने की आशंका के कारण भी टोकन की कीमतों में उछाल आया है। अप्रैल में हॉल्टिंग होने वाली है और इससे ट्रेडिंग के लिए बिटकॉइन की संख्या कम हो जाएगी, जिससे कीमत में वृद्धि होगी। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि आशावाद के कारण बिटकॉइन में तेजी रुकने से से पहले लगभग 69,000 डॉलर के अपने ऑल टाइम हाई लेवल को भी पार कर सकता है।

# शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद हुआ

### सेंसेक्स 1245 , निफ्टी 355 अंक ऊपर आया

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी उछाल रहा। इससे बाजार अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के शानदार आर्थिक आंकड़े जारी होने के कारण आई है जिससे बाजार को बल मिला। आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। बाजार 100 अंक से अधिक की बढ़त के साथ ही 72,606.31 पर खुला और कारोबार के दौरान 73,819.21 अंक के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई 1245.05 अंक करीब 1.72 फीसदी बढ़कर 73,745 पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की तीस कंपनियों में से 26 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 355.95 अंक तकरीबन 1.62 फीसदी बढ़कर 22,338.75 अंक के सर्वोच्च स्तर पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर 6.46 फीसदी ऊपर आया जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील में 4.46 फीसदी की तेजी रही। लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन, मारुति, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर बाजार के सकारात्मक रुख के बाद भी एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयरों में गिरावट रही।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शानदार बढ़त दर्ज की गयी। आंकड़ों के अनुसार, 2023 के अंतिम तीन महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 फीसदी ऊपर आयी है। जो डेढ़ साल में सबसे तेज़ गति है। वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर तिमाही में देश की जीडीपी 8.4 फीसदी की तेज रफ्तार के साथ ऊपर आयी है। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से मार्च सीरीज की शुरुआत पर भारतीय बाजार की तेज शुरुआत हुई है।

सुबह की शुरुओ त में सेंसेक्स 400 अंक की बढ़त पर कारोबार कर रहा था। व्यापक बाजार में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.7 फीसदी बढ़ा, जबकि स्मॉलकैप 1 फीसदी बढ़ा। भारत की तीसरी तिमाही की जीडीपी में उम्मीद से अधिक 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस शनिवार बाजार में कारोबार होगा। एक्सचेंजों ने जानकारी दी है कि डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंट्राडे स्विच-ओवर के लिए ये खास सेशन रखा गया है। कल 2 मार्च को शेयर बाजार का पहला सेशन सुबह 9.15 से 10 बजे तक होगा। दूसरा सेशन 11.30 से 12.30 बजे तक होगा।

# 2024-25 में लक्ष्य से कम गेहूं खरीदेगी केंद्र सरकार

### - फसल वर्ष 2023-24 में 11.4-11.5 करोड़ टन रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार ने 2024-25 रबी सीजन में गेहूं खरीद का लक्ष्य पिछले सीजन में गेहूं खरीद का लक्ष्य पिछले सीजन से घटा दिया है। सरकार ने 2024-25 रबी सीजन के लिए गेहूं खरीद का लक्ष्य तीन से 3.2 करोड़ टन तय किया है। सरकार के गेहूं खरीद के लक्ष्य को कुछ कम माना जा रहा है। कृषि मंत्रालय को फसल वर्ष 2023-24 जुलाई-जून में 11.4-11.5 करोड़ टन के रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद है। इसके बावजूद सरकार द्वारा खरीद का लक्ष्य कम रखा गया है। साल 2002 में सरकार ने 4.4 करोड़ टन और साल 2023 में लगभग साढ़े तीन करोड़ टन खरीद का लक्ष्य तक किया था। पिछले वर्ष में 2.62 करोड़ टन की वास्तविक खरीद हुई थी। एफसीआई के गोदामों में गेहूं का स्टॉक न्यूनतम स्तर पर है। राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा की अध्यक्षता में राज्यों के खाद्य सचिवों की पिछले दिनों बैठक हुई थी। इसी बैठक में विचार-विमर्श के बाद गेहूं खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि विचार-विमर्श के बाद आगामी रबी सीजन 2024-25 के दौरान गेहूं की खरीद का अनुमान तीन से 3.2 करोड़ टन का तय किया गया है। गेहूं के अलावा, मंत्रालय ने चावल के मामले में रबी धान खरीद का लक्ष्य 90 लाख से एक करोड़ टन तय किया है। सरकार ने रबी मोटे अनाज, बाजरा (श्रीअन्न) के लिए 6,00,000 टन का खरीद लक्ष्य भी निर्धारित किया है। बैठक में केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से फसलों के विविधीकरण और आहार में पोषण बढ़ाने के लिए बाजरा की खरीद पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सरकार ने 2023-24 के सत्र में 3.41 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 2.62 करोड़ टन गेहूं की खरीद की थी। 2022-23 में गेहूं की खरीद 4.44 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले केवल 1.88 करोड़ टन थी। उत्पादन में गिरावट के कारण खरीद कम रही थी। खाद्य सचिव ने हाल में कहा था कि पंजाब-हरियाणा सीमा पर किसानों के आंदोलन से खरीद परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## ईवी स्टार्टअप फिस्कर कर्मचारियों की छंटनी करेगा

**सैन फ्रांसिस्को ।** इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप फिस्कर अपने 15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करते हुए फिस्कर ने कहा कि निवेश व अन्य गतिविधियों के विकास के लिए एक बड़े वाहन निर्माता के साथ भी बातचीत जारी है। इसके अलावा फिस्कर का इरादा अपने कार्यबल में लगभग 15 प्रतिशत कमी करने का है। फिस्कर ने 2023 की चौथी तिमाही में 200.1 मिलियन डॉलर का कुल राजस्व हासिल किया, जो तीसरी तिमाही से 128.3 मिलियन डॉलर अधिक है। चेयरमैन और सीईओ हेनरिक फिस्कर ने कहा कि 2023 फिस्कर के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष था, इसमें आपूर्तिकर्ताओं के साथ देरी और अन्य मुद्दे शामिल थे। उन्होंने कहा कि एक ही समय में हमें उत्तरी अमेरिका और यूरोप में डायरेक्ट उपभोक्ता बिक्री मॉडल स्थापित करने में अप्रत्याशित बाधाओं का भी सामना करना पड़ा।

# कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा

### - दिल्ली में 25 तो मुंबई में 26 रुपए हुआ इजाफा

**नई दिल्ली ।**

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत एक बार फिर से बढ़ा दी हैं। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 25 रुपये तो मुंबई में 26 रुपये महंगा हुआ है। आईओसीएल की वेबसाइट पर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के नए भाव जारी कर दिए गए हैं, जो 1 मार्च से लागू हो गए हैं। दिल्ली में अब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1795 रुपये में मिलेगा, जबकि मुंबई में कीमत 1749 रुपये होगी। वहीं कोलकाता में दाम 1911 रुपये हो गया है। राहत की बात है कि घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आखिरी बार घरेंलू सिलेंडर के भाव अगस्त में बदले गए थे। आखिरी बार 30 अगस्त 2023 को इनकी कीमतों में 200 रुपये की कटौती की गई थी। एलपीजी कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में यह बढ़ोतरी उस वक्त हुई है जब सरकार ने घरेलू प्राकृतिक गैस के दाम बढ़ाने का फैसला किया। घरेलू प्राकृतिक गैस के दाम बढ़ाकर 8.17 डॉलर प्रति मिलियन मेट्रिक ब्रिटिशन थर्मल यूनिट्स कर दिया गया है, जो इसके पिछले महीने 7.85 डॉलर प्रति मेट्रिक ब्रिटिशन थर्मल यूनिट्स था। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के साथ-साथ तेल कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है। लगातार चार बार कीमतों में कटौती के बाद यह इजाफा किया है। हवाई ईंधन की बढ़ी हुई नई दरें भी शुक्रवार से लागू हो गई हैं।

# यूपी सरकार 2,275 प्रति क्विंटल किसानों से गेंहूं खरीदेगी

**नई दिल्ली ।**

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह ऐलान किया है कि गेहूं की खरीद पर एमएसपी को 150 रुपये प्रति क्विंटर बढ़ाया जा रहा है। अब यूपी सरकार 2,275 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों से गेहूं की खरीद करेगी। यह नई दरें एक मार्च से लागू हो गई हैं। बताया गया कि योगी सरकार द्वारा इस एमएसपी पर गेहूं की खरीद एक मार्च से 15 जून के बीच रहेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स हैंडल के माध्यम से किसानों को यह खुशखबरी दी। सीएम ने लिखा, 'प्रिय अन्नदाता किसान बंधुओ! उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024-25 में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,275 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। गेहूं का मूल्य भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से 48 घंटे के अंदर सीधे आप लोगों के आधार लिंक खाते में करने की व्यवस्था की गई है। मुझे प्रसन्नता है कि बटाईदार किसान भी इस वर्ष पंजीकरण कराकर अपने गेहूं की बिक्री कर सकेंगे। 1 मार्च से 15 जून, 2024 तक गेहूं खरीद के दौरान आप लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यह हमारी प्राथमिक वरीयता है। आप सभी की समृद्धि और खुशहाली डबल इंजन सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है, आप सभी को बधाई!

## फरवरी में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि पांच महीनों के उच्च स्तर पर

### - पीएमआई फरवरी में बढ़कर 56.9 हो गया जबकि जनवरी में यह 56.5 था

**मुंबई ।** कारखाना उत्पादन और बिक्री में तेजी की वजह से फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिसमें घरेलू और बाहरी मांगों की अहम भूमिका रही। शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण से देश का विनिर्माण परिदृश्य बेहतर होने की तस्वीर सामने आई। यह सितंबर, 2023 के बाद विनिर्माण क्षेत्र की सबसे अच्छी स्थिति की ओर इशारा करता है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में बढ़कर 56.9 हो गया जबकि जनवरी में यह 56.5 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दिखाता है। इस सर्वेक्षण के मुताबिक फरवरी महीने में उत्पादन पांच महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ा और पिछले सितंबर के बाद से बिक्री में सबसे तेज वृद्धि हुई और निर्यात ऑर्डर में भी 21 महीनों का सबसे मजबूत विस्तार हुआ। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि पीएमआई आंकड़ों से संकेत मिलता है कि घरेलू और बाहरी दोनों मांग से समर्थित उत्पादन वृद्धि मजबूत बनी हुई है। वृद्धि की रफ्तार तेज होने के बावजूद भारत में विनिर्माण क्षेत्र के रोजगार में थोड़ा बदलाव आया है। सर्वेक्षण के मुताबिक वस्तुओं के उत्पादकों ने बताया कि काम पर रखे गए कर्मचारियों की संख्या वर्तमान जरूरतों के लिए पर्याप्त थी। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर क्रय लागत मुद्रास्फीति 43 महीने के निचले स्तर पर आ गई, जिसकी वजह से बिक्री शुल्क कुछ हद तक बढ़ गया। कच्चे माल की लागत में साढ़े तीन साल में सबसे धीमी वृद्धि देखी गई। इससे विनिर्माण कंपनियों के मार्जिन में सुधार हुआ। मजबूत घरेलू मांग के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोप, इंडोनेशिया, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात से मांग वृद्धि होने से नए निर्यात ऑर्डर लगभग दो वर्षों में सबसे तेजी से बढ़े। सर्वेक्षण के मुताबिक विनिर्माण कंपनियों ने अधिक उत्पादन जरूरतों, बिक्री में निरंतर वृद्धि और स्टॉक बनाने के लिए खरीद बढ़ाई। मांग बढ़ने के बीच विनिर्माताओं ने आगे भी तेजी का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि मजबूत मांग और लाभ मार्जिन में सुधार से उत्साहित विनिर्माताओं का भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में आशावादी दृष्टिकोण है।

## इस माह में क्रेटा एन-लाइन को लॉन्च करेगी हुंडई

### 7-सीटर कार में मिलने वाला है ये धांसू अपडेट

**नई दिल्ली ।**

नई 2024 हुंडई अल्काजार के आने से पहले, कंपनी मार्च 2024 में क्रेटा एन-लाइन को लॉन्च करेगी। इसके बाहरी हिस्से में कुछ मामूली बदलाव मिलने की उम्मीद है। नई हुंडई अल्काजार में अपडेटेड क्रेटा के समान कुछ नए डिजाइन एलिमेंट्स दिए जाने की उम्मीद है, जिसमें एक नए डिजाइन का फ्रंट ग्रिल, रीडिजाइन फ्रंट और रियर बंपर, अपडेटेड एलईडी हेडलैम्प्स और डीआरएल मिल सकते हैं।नई अल्काजार एसयूवी में खास स्टाइलिंग और नए फीचर्स की एक लंबी रेंज को शामिल किया जाएगा, हालांकि इसके मौजूदा इंजन कॉन्फ़िगरेशन को बरकरार रखा जाएगा। इसके अलावा अल्काजार में नए डिजाइन वाले अलॉय व्हील्स दिए जा सकते हैं। साइड प्रोफाइल में ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इस एसयूवी में एक नया टेललाइट सेटअप दिया जा सकता है। अल्काजार फेसलिफ्ट में क्रेटा वाला नया डैशबोर्ड शामिल किया जा सकता है, साथ ही सीट अपहोल्स्ट्री और इंटीरियर थीम के लिए भी बड़े अपडेट मिलने की संभावना है। एसयूवी में 10.25-इंच का डुअल स्क्रीन सेटअप, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीट्स और एक पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स देखने को मिल सकते हैं, जो क्रेटा में देखने को नहीं मिलता है। नई हुंडई अल्काजार फेसलिफ्ट में 2.0 लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल और 1.5 लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो डीजल इंजन को बरकरार रखा जाएगा, जो कि क्रमशः 159बीएचपी/192 एनएम और 115बीएचपी/ 250 एनएम का आऊटपुट जेनरेट करता है। इसमें पहले की ही 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स की पेशकश की जाती रहेगी।

इस एसयूवी में तीन ड्राइव मोड, कंफर्ट, ईको और स्पोर्ट के साथ-साथ तीन ट्रैक्शन कंट्रोल मोड - सैंड, आइस और मड मिलते रहेंगे।खबरों की माने तो न्यू अल्काजार में प्री-फेसलिफ्ट वेरिएंट के समान अन्य फीचर्स को बरकरार रखते हुए अडास तकनीक को भी शामिल किया जा सकता है। एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (अडास) रडार बेस्ड सेफ्टी सिस्टम है जो सामने खतरा होने पर कार में इमरजेंसी ब्रेक लगाने में सहायता करता है।

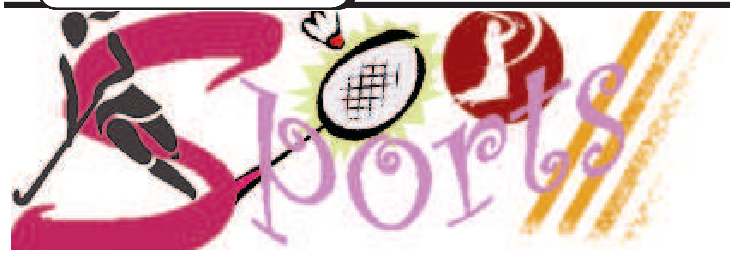


## ओपनिंग जोड़ीदार स्मृति पर बहुत गर्व है : सोफी डिवाइन

**बेंगलुरु,** यह कप्तान स्मृति मंधाना और उनकी सलामी जोड़ीदार, न्यूजीलैंड की महान ऑलराउंडर सोफी डिवाइन के बीच चल रही आपसी प्रशंसा गाथा में भूमिका के उलटफेर की शाम थी। पिछले साल डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन के दौरान 99 रनों की तूफानी पारी से स्मृति को चकित करने के बाद, अब तारीफ करने की बारी सोफी की थी, जब उन्होंने गुरुवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपनी कप्तान को आरसीबी के दिल्ली विरोधियों के खिलाफ 74 रनों की पारी खेलते हुए देखा। सोफी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,हाँ, देखो, मुझे स्मृति पर बहुत गर्व है। मुझे लगता है कि पिछला सीज़न उसके लिए काफी कठिन था। उनके लिए इस साल जिस तरह से बाहर आना और बल्लेबाजी करना शानदार रहा है। मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की है, जिस तरह से उसने टीम की कप्तानी की है वह शानदार है और इससे वास्तव में आत्मविश्वास झलकता है। मेरे लिए आज वहां खड़ा होना काफी अलग था, जबकि वह हर तरफ से शॉट मार रही थी। लेकिन क्रिकेट और टी20 क्रिकेट के बारे में यह अच्छी बात है कि साझेदारी में कई बार ऐसा होता है कि आपको अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। और मेरे लिए आज, यह बस पीछे बैठकर उसे शॉट लगाते हुए देखने जैसा था। सोफी, जिन्होंने 17 में से 23 रन बनाने से पहले तीन ओवरों में 2/23 के साथ हरफनमौला प्रदर्शन किया।

# आईपीएल 2024: 15 मार्च से शुरू होगा केकेआर का मुख्य प्री-सीजन कैंप

**कोलकाता।**

आईपीएल 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। सभी टीमें अब अपनी-अपनी तैयारियों में जुट रही है। इस बीच दो बार की आईपीएल विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 2024 सीजन से पहले अपना मुख्य प्री-सीजन कैंप 15 मार्च से कोलकाता में शुरू करने की जानकारी दी है। केकेआर का आईपीएल 2024 अभियान 23 मार्च को अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शुरू होगा। फेंचाइजी ने अपडेट में आगे कहा कि उनके कुछ घरेलू भारतीय खिलाड़ी नवी मुंबई में चल रहे डीवाई पाटिल टी20 कप में खेल रहे हैं। जिसके बाद केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर ने इस सप्ताह के लिए मुंबई में केकेआर अकादमी में एक अस्थायी प्रशिक्षण सुविधा स्थापित की है। इस सत्र के लिए मुंबई में केकेआर अकादमी में मौजूद खिलाड़ियों में उप-कप्तान नीतीश राणा, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुयश शर्मा, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, साकिब हुसैन और रमनदीप सिंह शामिल हैं। कोलकाता स्थित फेंचाइजी, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे मुख्य प्री-सीजन कैंप के लिए कोलकाता में खिलाड़ियों के आगमन के बारे में अपडेट साझा करेंगे जिसमें उनके विदेशी खिलाड़ी भी शामिल होंगे। केकेआर पिछले दो सीज़न में आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने में विफल रही और पिछले साल दुबई में आईपीएल 2024 प्लेयर नीलामी में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की सेवाओं के लिए 24.75 करोड़ रुपये खर्च किए।

इस बीच, दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार से अरुण जेटली स्टेडियम में अपना मिनी प्री-सीजन कैंप शुरू किया। जहां उन्होंने एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेला और अपने व्यक्तिगत कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया।

मिनी-कैंप पांच दिनों का होने की उम्मीद है, जिसमें इशांत शर्मा, कुमार कुशाग्र और प्रवीण दुबे जैसे खिलाड़ी अपने-अपने कौशल को निखारते नजर आएंगे। दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2024 अभियान की शुरुआत तब करेगी जब वे 23 मार्च को दोपहर के मैच में मुल्लांपुर, मोहाली के नव-विकसित महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में पंजाब किंग्स से भिड़ेंगे।

# लेविट के तूफानी शतक से नीदरलैंड ने तीसरे टी20 में नामीबिया को हराया

**कीर्तिपुर ।**

माइकल लेविट के तूफानी शतक से नीदरलैंड ने तीसरे टी20 मुकाबले में नामीबिया को 57 रनों से हरा दिया। लेविट ने 62 गेंदों पर 135 रन बनाये। इस मैच में नामीबियाई बल्लेबाज लॉफ्टी-ईटन ने 33 गेंदों पर शतक लगाया था जिसका जवाब लेविट ने 49 गेंदों पर शतक लगाकर दिया। इससे डीच टीम ने 247 रन बनाये। इसके बाद नामीबिया की टीम ये लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी और 20 ओवरों में 188 रन रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार उसे मुकाबले में 59 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में डच टीम नीदरलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। तीसरी ही ओवर में मैक्स 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद माइकल लेविट और साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट ने स्कोर 208 तक पहुंचाया। दोनों ने करीब 15 ओवरों में 190 से ज्यादा रन बनाए। एंगेलब्रेक्ट ने जहां 40 गेंदों पर 7 चौके और 5 छक्कों की मदद से 75 रन बनाए तो वहीं, माइकल लेविट 62 गेंदों पर 10 छक्कों की मदद से 135 रन बनायेहे। इसके बाद तेजा निदामानुरु ने लगातार तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाए

वहीं नामीबिया की ओर से ट्रम्पेलमैन ने 46 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि बेन शिकोंगो ने 28 रन देकर 1 तो जेन फ्राईलिंक ने 57 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज माइकल वेन 7 तो मालान कुर्गर 3 रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद जे कोट्ज़े ने 26 तो कप्तान जे स्मिट ने 8 गेंदों पर 19 रन बनाये। मध्यक्रम में जान फ्राइलिंक ने 27 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाए तो अंत में विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन ने 20 गेंदों पर चार चौके और तीन छक्कों की मदद से 42 रन बनाए पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

## भारत की अदिति एचएसबीसी महिला गोल्फ में संयुक्त 23वें स्थान पर पहुंची

**सिंगापुर ।**

भारत की अदिति अशोक एचएसबीसी महिला गोल्फ चैंपियनशिप में संयुक्त रुप से 23वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। विश्व में 40 वहीं वरीयत प्राप्त अदिति ने एलपीजीए एशियाई चरण की इस दूसरी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में पार 72 के स्कोर बनाया। अदिति ने 18 लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता के पहले दौर में 5 बर्डी की पर इतनी ही बोगी भी कर गईं जिससे उन्होंने पार का स्कोर बनाया। अदिति गत सप्ताह ही होंडा एलपीजीए थाईलैंड में संयुक्त 31वें स्थान पर रहीं थी। वहीं अमेरिका की सारा स्मेलजेल 4 अंडर 68 के स्कोर के साथ ही शीर्ष पर चल रही हैं। उन्होंने पांच बर्डी और एक बोगी की। वहीं न्यूजीलैंड ओपन में खेल रहे एकमात्र भारतीय पुरुष गोल्फर ज्योति रंधावा ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले दौर में 2 अंडर 69 का स्कोर बनाकर संयुक्त 51 वां स्थान हासिल किया।

# शैफाली के अर्धशतक से महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली ने आरसीबी को हराया

**बेंगलुरु ।**

दिल्ली कैपिटल्स ने यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गये महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 25 रनों से हराया। इस मैच में आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर दिल्ली को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दिल्ली की ओर से शैफाली वर्मा ने अर्धशतक लगाकर जबकि एलिसा केप्सी ने भी 46 रन बनाये। शैफाली ने 50 रन बनाये। इसके बाद बीच के ओवरों में मैरिजाना कैप ने 32 और जीस जोनोसेन ने 36 रन बनाकर अपनी टीम को स्कोर 194 रन तक पहुंचाया। इसके बाद 195 रनों के लक्ष्य का पीछा कतरे हुए आरसीबी को मंधाना ने 43 गेंदों पर 74 रन बनाकर अच्छी शुरूआत दी पर अंतिम ओवरों में आरसीबी ने 9 गेंदों पर 5 विकेट खो दिये जिससे उसे इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले आरसीबी के गेंदबाजों ने पहले पावरप्ले में दिल्ली को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। ओपनर मेग लैनिंग और शैफाली वर्मा के लिए रन बनाना कठिन रहा।

पावरप्ले के बाद शैफाली ने तेज से आक्रमण शुरु कर दिया। शैफाली ने जहां 31 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए जबकि एलिसा कैप्सी ने 33 गेंदों पर 4 चौके और दो छक्कों की मदद से 46 रन बनाए। मध्यक्रम में मेरिजाना कैप ने 16 गेंदों पर 3 छक्कों के साथ 32 तो जेस जोनासेन ने 16 गेंदों पर 36 रन बनाकर स्कोर 194 तक पहुंचा दिया। अरुधंति ने भी 4 गेंदों पर 10 रन बनाए।

### संक्षिप्त समाचार

## डब्लयूपीएल के बाद मल्टी डे महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करेगा बीसीसीआई !

**मुम्बई ।**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) देश में महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए अब मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन करने जा रहा है। हाल के दिनों में जिस प्रकार से महिला क्रिकेट आगे बढ़ा है उसी को देखते हुए अब बीसीसी को मल्टी डे महिला टूर्नामेंट के आयोजन का विचार आया है। पिछले कुछ सालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जितनी तेजी से आगे बढ़ा है उससे बोर्ड उत्साहित है। इसी को देखते हुए अब वह 17 को डब्ल्यूपीएल के समाप्त होने के बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन करने जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई का ये मल्टी डे महिला टूर्नामेंट तीन दिन का होगा और 29 मार्च से पुणे में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें भाग लेंगी। इन टीमों को क्षेत्रों के आधार पर बांटा गया है। इसमें पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और नॉर्थ ईस्ट की टीम इसमें शामिल होंगी। ये टीमें पांच मैचों की सीरीज खेलेंगी। ये टूर्नामेंट 29, 30 और 31 मार्च को एक साथ होने वाले दो क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के साथ शुरू होगा। इस चरण के बाद चैंपियनशिप दो सेमीफाइनल तक पहुंच जाएगी, जो 5, 6 और 7 अप्रैल को खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट का फाइनल 9, 10 और 11 अप्रैल को होगा। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि शीर्ष वरीयता प्राप्त दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

## पीएसल में रुदरफोर्ड की आक्रामक बल्लेबाजी से क्वेटा ग्लेडिएटर्स जीती

**कराची।**

पाकिस्तान प्रीमियर लीग क्रिकेट (पीएसएल) में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के शेरफेन रुदरफोर्ड ने आक्रमक बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को पांच विकेट से जीत दिलायी। पीएसएल के इस मुकाबले में क्वेटा ने रुदरफोर्ड की शानदार पारी की सहायता से अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की। इस मैच में कराची ने इससे पहले खेलते हुए जेम्स विंस के 37, मोहम्मद नवाज के 28 और अनवर अली के 25 रन से 165 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए क्वेटा को जेसन रॉय 52 और सऊद शकील 24 की अच्छी शुरूआत हुई। इसके बाद शेरफेन रुदरफोर्ड ने 31 गेंदों पर एक चौके और 6 छक्कों की सहायता से 58 रन बनाकर टीम को पांच विकेट रहते जीत दिला दी। वहीं इससे पहले कराची की शुरुआत खराब रही। कप्तान शान मसूद पहले ही ओवर में 2 रन बनाकर आऊट हो गए थे जबकि सीफर्ट 21 रनों का योगदान ही दे पायें। जेम्स विंस ने 37 रन बनाए। इसके अलावा शोएब मलिक ने 12 जबकि मोहम्मद नवाज ने 28 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 10 गेंदों पर 13 और इरफान खान ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए। अंत में अनवर अली ने 14 गेंदों पर 2 छक्कों की मदद से 25 रन बनाकर स्कोर 165 पर पहुंचा दिया। वहीं क्वेटा की ओर से गेंदबाजी करते हुए अकिल हुसेन ने 34 रन देकर दो विकेट लिए। इसी तरह अबरार अहमद ने 31 रन देकर 3 तो उसमान तारिक ने 16 रन देकर 2 विकेट लिए।

# ईशान घरेलू टर्नामेंट में बीसीसीआई का लोगो लगा हेलमेट पहनने से निशाने पर आये

**मुम्बई ।**

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण उनको बीसीसीआई ने केन्द्रीय अनुबंध से बाहर किया। वहीं अब ईशान ने एक बार फिर बीसीसीआई का नियम तोड़ा है। इससे उनपर कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।

ईशान यहां डीवाई पाटिल टी20 कप में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से खेलते हुए रन तो नहीं बना पाये पर बीसीसीआई का लोगो लगा हेलमेट पहनने के कारण निशाने पर आ गये हैं। वहीं बीसीसीआई के नियम के मुताबिक कोई भी खिलाड़ी घरेलू स्तर पर किसी भी तरह के क्रिकेट में बीसीसीआई का लोगो और टीम इंडिया की जर्सी का इस्तेमाल नहीं कर सकता है। अगर यदि कभी कोई खिलाड़ी ऐसा करता भी है तो उसे लोगो पर टेप लगाकर उसे छुपा कर मैदान पर उतरता होता है पर ईशान ने नहीं किया। इससे पहले भारतीय खिलाड़ी आमतौर पर घरेलू क्रिकेट में अपनी अपनी टीमों की ओर से खेलते हुए इसका इस्तेमाल करते थे पर कुछ समय पहले ही बीसीसीआई ने इसपर सख्ती बरतते हुए नियम बना दिया। ईशान जिस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं

उसी टूर्नामेंट में बल्लेबाज तिलक वर्मा भी खेल रहे थे पर उनके हेलमेट पर बड़ा सा टेप चिपका हुआ नजर आया। जिससे बीसीसीआई का लोगो छुपा हुआ था। यदि कोई खिलाड़ी अपने हेलमेट पर बीसीसीआई का लोगो लगाकर अपनी घरेलू टीम की ओर से उतरता है तो उसे मैदानी अंपायर उसे ऐसा करने से रोकता है पर यहां अंपायर ने लगता है इसपर ध्यान न हीं दिया।

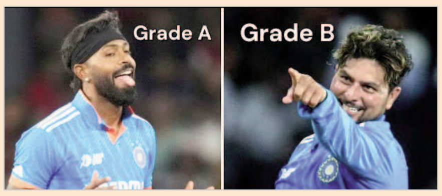


## बीसीसीआई अनुबंध में पंड्या को ए जबकि कुलदीप को बी ग्रेड दिये जाने पर उठे सवाल

### प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर बोर्ड को ट्रॉल किया

**मुम्बई ।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सालाना केन्द्रीय अनुबंध में हार्दिक पंड्या को एक ग्रेड जबकि स्पिनर कुलदीप यादव को बी ग्रेड अनुबंध दिये जाने पर सवाल उठ रहे हैं। इसको लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर बीसीसीआई की आलोचना की है। लोगों का कहना है कि हार्दिक पंड्या केवल एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट खेलते हैं इसके बाद भी उन्हें ए ग्रेड दिया गया है जबकि कुलदीप को तीनों प्रारुपों में खेलने के बाद भी बी ग्रेड में रखा गया है। बीसीसीआई के ग्रेड एक में साल में पांच करोड जबकि बी में तीन करोड़ की रकम खिलाड़ियों को मिलती है। ऐसे में कुलदीप को ग्रेड बी में होने के कारण सालाना 3 करोड़ रुपये जबकि पंड्या को 5 करोड़ रुपये मिलेंगे। लोगों का कहना है कि पंड्या ने लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। माना जाता है कि पंड्या ने टीम प्रबंधन को बता दिया है कि उनकी फिटनेस टेस्ट खेलने की नहीं है, इस कारण वह केवल एकदिवसीय और टी20 टीम में रहेंगे। वहीं दूसरी ओर कुलदीप इस समय भारत के एकमात्र चाइनमैन स्पिनर हैं, जो तीनों ही प्रारुपों में खेलते हैं। कुलदीप इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज भी खेल रहे हैं। वह एकदिवसीय और टी20 टीम में भी खेलते हैं। कुलदीप ने पिछले एक साल में भारतीय टीम की ओर से 43 मैच खेले हैं। इसमें 30 एकदिवसीय , 10 टी20 और 3 टेस्ट मैच शामिल हैं। दूसरी ओर हार्दिक ने कुल 31 मैच खेले, जिनमें 20 एकदिवसीय और 11 टी20 मुकाबले शामिल हैं। करियर की शुरुआत से अब तक कुलदीप ने 103 एकदिवसीय, 35 टी20 और 11 टेस्ट मैच खेले हैं जबकि हार्दिक ने कुल 189 मैच खेले हैं। इनमें 11 टेस्ट, 86 एकदिवसीय और 92 टी20 मैच शामिल हैं।

## शुभम, वेंकटेश सहित 15 खिलाड़ी अब सरकारी नौकरी करेंगे

**भोपाल ।** मध्य प्रदेश में 15 शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी मिली है। इन खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के अनुसार प्रदेश सरकार के आयरकर विभाग में नियुक्ति दी गयी है। इन खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर और रणजी कप्तान शुभम शर्मा सहित चार क्रिकेटरों के अलावा तीन एथलेटिक्स खिलाड़ी और तीन टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं। इसके अलावा तैराकी और वॉटरस्पोर्ट्स के 1 एक-एक- खिलाड़ी को भी शामिल किया गया है। इंदौर के वेंकटेश अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होने के साथ ही आईपीएल से भी जुड़े हैं आयकर विभाग के मप्र-छत्तीसगढ़ के मुख्य आयुक्त मोहनीश वर्मा ने गत दिवस एक कार्यक्रम में इन खिलाड़ियों को नियुक्त पत्र सौंपे। इस दौरान मप्र क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अभिलाष खांडेकर और छग के आयकर आयुक्त भी उपस्थित थे। क्रिकेटर शुभम शर्मा टैक्स असिस्टेंट जबकि वेंकटेश अय्यर को इनकम टैक्स इंस्पेक्टर बनाया गया है। वहीं क्रिकेटर यश दुबे और मिहिर हिरवानी, एथलीट सपना कुमारी, परवीन , पारस , टेनिस प्लेयर उदित कंभाज , राघव जयसिंघानी, सारा यादव, टेबल टेनिस खिलाड़ी सौम्यदिप, सरकार स्टेना, वरुण शंकर बालूसुरी, दीपानविता बसु, स्विमर प्रुथविक, और केना सलालम खिलाड़ी शिखा चौहान को भी नियुक्ति पत्र मिले हैं।

# चीन में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उत्सुक हूं: हार्दिक सिंह

**नई दिल्ली,**

एशियाई हॉकी महासंघ ने 28 फरवरी को घोषणा की कि पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 आठ से 17 सितंबर 2024 तक हुलुनबुइर शहर, इनर मंगोलिया,चीन में होगी। जो टीमें इस संस्करण के लिए योग्य हैं उनमें चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान और मौजूदा चैंपियन भारत शामिल हैं।

टूर्नामेंट के महत्व पर बोलते हुए, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है जहां टीमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ हॉकी टीम होने का दावा करने के लिए संघर्ष करती हैं। हमारा लक्ष्य दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना है, और उस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम ट्रॉफी को बरकरार रखना और एशिया में सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना होगा। भारत 3 से 12 अगस्त तक चेन्नई में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के पिछले संस्करण में विजयी हुआ। वे 4 जीत और 1 ड्रा के साथ पूल में शीर्ष पर रहे, जापान के खिलाफ ड्रा था। सेमीफाइनल में, उनका फिर से जापान से सामना हुआ और 5-0 से जीत दर्ज की। फाइनल में, भारत हाफ टाइम तक 3-1 से पिछड़ रहा था, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, गुरजंत सिंह और आकाशदीप सिंह के गोल ने सुनिश्चित किया कि भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 का चैंपियन बने। टीम के प्रदर्शन पर विचार करते हुए हार्दिक ने कहा, ÷एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 एक शानदार टूर्नामेंट था। एक टीम के रूप में, हम अभी भी मुख्य कोच क्रेग फल्टन के तहत खेल की नई शैली को अपना रहे थे, और स्वर्ण पदक जीतना उस प्रगति का प्रमाण था जो टीम ने उनके तहत की थी। रास्ते में हमारी मदद करने के लिए हमारे साथ मेंटल ट्रेनर पैडी अप्टन भी थे, और जब हम फाइनल में मलेशिया से पिछड़ रहे थे, तब टीम ने उनके बारे में अपनी बुद्धिमत्ता बनाए रखने और चीजों को बदलने के लिए जबरदस्त चरित्र दिखाया। मिडफील्डर ने अंत में

कहा, टूर्नामेंट जीतने के लिए पिछड़ने के बाद वापिस आना एक विशेष एहसास था, और पीछे मुड़कर देखने पर, मुझे लगता है कि टीम ने उस मैच को अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए स्प्रिंगबोर्ड के रूप में इस्तेमाल किया।

## घरेलू क्रिकेट आधार पर किसी खिलाड़ी को खेलने मजबूर नहीं कर सकते: साहा

**कोलकाता ।**

भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट आधार है और हर खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए इसे पर्याप्त महत्व देना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर कोई क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलना चाहता तो उसे जबरन खेलने को मजबूर नहीं किया जा सकता। साहा ने ये बात विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के घरेलू क्रिकेट की अनदेखी को लेकर कही है। ईशान और अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी कारण केन्द्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया है। साहा ने इसको लेकर कहा कि अनुबंध नहीं दिये जाने का फैसला बीसीसीआई का है जबकि रणजी नहीं खेलना इन दोनो का निजी निर्णय थी। ये दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ समय पहले तक भारतीय टीम में भी थे। इन दोनो ने गत वर्ष एकदिवसीय विश्वकप भी खेला था। ईशान अंतिम बार दिसंबर में भारतीय टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गये थे। वहीं अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही जारी इस सरीज के पहले 2 टेस्ट खेले थे। साहा ने कहा कि एक क्रिकेटर को हर मैच को समान महत्व देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी मैं फिट होता हूं मैं खेलता हूं, यहां तक कि मैंने क्लब मैच भी खेले हैं, कार्यालय के मैच भी खेले हैं। मैं हमेशा एक मैच को एक मैच की तरह लेता हूं। मेरे लिए सभी मैच बराबर हैं। अगर हर खिलाड़ी इस तरह से सोचता है तो वह अपने करियर में केवल समृद्ध होंगे और यह भारतीय क्रिकेट के लिए भी बेहतर होगा। साहा ने कहा कि मुझे लगता है कि घरेलू क्रिकेट का महत्व हमेशा रहता है क्योंकि अगर मैं सरफराज खान के बारे में बात करूं तो उसने पिछले चार-पांच वर्षों में काफी रन बनाए हैं। निश्चित रूप से उसने अच्छा प्रदर्शन किया है। साहा ने इस बीच युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की बल्लेबाजी को बेहतरीन करार दिया।

# गुजरात के आईटीआई में महिलाओं की भर्ती में वृद्धि

**गांधीनगर।** गुजरात में वर्ष 2023 में महिलाओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश लेने वाली महिलाओं की संख्या में जबरदस्त उछाल देखा गया है।

गुजरात के रोजगार और प्रशिक्षण निदेशालय (डीईटी) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में महिलाओं की भर्ती में 24 प्रतिशत का उछाल देखा गया, जिसमें 5049 महिलाओं ने राज्य की 19 महिला आईटीआई में प्रवेश लिया। वर्ष 2022 में इन आईटीआई में कुल 4048 महिलाओं को प्रवेश मिला, जिससे यह कहा जा सकता है कि वर्ष 2023 में उसकी तुलना में महिलाओं की भर्ती में जबरदस्त उछाल आया है। वर्ष 2023 में महिला आईटीआई में महिलाओं का प्रतिशत 24 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि राज्य के सभी 288 सरकारी आईटीआई में महिलाओं का प्रतिशत 9 प्रतिशत बढ़ा है। इसमें अधिकतर को-एड आईटीआई शामिल हैं।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान इन संस्थानों में प्रवेश पाने वाली महिलाओं की संख्या में भारी गिरावट आई थी, लेकिन डीईटी द्वारा चलाए गए घर-घर अभियान से पिछले दो वर्षों में इनमें प्रवेश पाने वाली महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। क्रेस्ट अलायंस के युवा कार्यक्रम (संचालन) निदेशक श्री सेंथिल कुमार एम. के. ने कहा, च्ये आंकड़े बताते हैं कि जो महिलाएं जीवन में कुछ सीखना चाहती हैं, वे सिर्फ उनके लिए आईटीआई में शामिल होने को इच्छुक हैं। वे आईटीआई में प्रवेश ले रहे हैं क्योंकि इस संस्थान से कोर्स पूरा करने के बाद उन्हें नौकरियों और स्वरोजगार के कई अवसर मिलते हैं। आईटीआई में महिलाओं की बढ़ती भर्ती और भागीदारी के पीछे एक बहुत महत्वपूर्ण कारण उन महिलाओं का प्रभाव है जो पहले इन संस्थानों में प्रशिक्षण ले चुकी हैंज

आईटीआई में सीखने के माहौल को बेहतर बनाने में फ्यूचर राइट स्किल नेटवर्क (एफआरएसएन) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, श्री सेंथिल कुमार ने कहा, 'आईटीआई के भीतर प्लेसमेंट अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से संस्थान और उद्योग के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप साल-दर-साल सैल प्लेसमेंट दर में लगातार सुधार हुआ है। विशेष रूप से, हम एक प्रिंसिपल लीडरशिप प्रोग्राम भी संचालित करते हैं, जिसने संस्थान के नेताओं को अपने संगठन के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित करने और बड़े पैमाने पर बदलाव लाने के लिए रणनीतिक क्षेत्रों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने में सक्षम बनाया है, जिससे आईटीआई में समग्र गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ हैज

गांधीनगर में आगामी एफआरएसएन आईटीआई इकोसिस्टम शिखर सम्मेलन में आईटीआई में महिलाओं की भर्ती, कार्यबल में उनकी भागीदारी और आईटीआई को कैसे अधिक महत्वाकांक्षी और 21वीं सदी के लिए तैयार बनाया जा सकता है, इन सभी पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। एक्सेंचर, सिस्को, जे. पी. मॉर्गन, एसएपी लैब्स इंडिया और क्रेस्ट एलायंस और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा समर्थित एक सहयोगी पहल, एफआरएसएन गुजरात सरकार के आईटीआई में पढ़ने वाले युवाओं को सशक्त बनाने में सबसे आगे है।

डीईटी की निदेशक गार्गी जैन (आईएएस) ने कहा, च्में गुजरात के आईटीआई में महिलाओं की भर्ती में वृद्धि देखकर रोमांचित हूं, जो तकनीकी शिक्षा में बढ़ती रुचि और इसके माध्यम से उपलब्ध अवसरों की पहचान को इंगित करता है। यह सकारात्मक दृष्टिकोण हमारे शैक्षणिक संस्थानों में एक समावेशी और सक्षम वातावरण बनाने के महत्व पर प्रकाश डालता है। गांधीनगर में आगामी आईटीआई इकोसिस्टम शिखर सम्मेलन आईटीआई इकोसिस्टम को अगले स्तर पर ले जाने और हमारे युवाओं को 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था में सफल होने के लिए सशक्त बनाने की रणनीति बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्यों, प्लेसमेंट अधिकारियों और रोजगार कौशल प्रशिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। इस शिखर सम्मेलन को आयोजित करने का उद्देश्य डीईटी गुजरात और एफआरएसएन के बीच सफल सहयोग का सारांश देना है। यह कार्यक्रम आईटीआई पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए गुजरात सरकार द्वारा प्रदान किए गए सक्षम वातावरण पर प्रकाश डालेगा। विभिन्न हितधारकों को एक ही मंच पर एक साथ लाने से प्रस्ताव पेश करने और एक-दूसरे से सीखने के लिए बातचीत और सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा।

क्रेस्ट एलायंस जनवरी 2019 से गुजरात में लगभग 100 आईटीआई में काम कर रहा है, जिसका प्रारंभिक उद्देश्य फैसिलिटेटर्स को व्यावहारिक सुविधा और मार्गदर्शन प्रदान करके रोजगार योग्य कौशल को बढ़ाना है। यह सहयोग डीईटी गुजरात के सहयोग से 2019 में एक व्यापक दृष्टिकोण के रूप में विकसित हुआ।

## नवीन फ्लोरीन कंपनी, भेस्तान में अमोनिया गैस रिसावः गैस रिसाव पर सिर्फ 40 मिनट में काबू पाया गया

**सूरत।** भेस्तान स्थित नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल लिमिटेड प्लांट में तरल अमोनिया गैस से भरे टैंकर में रिसाव से कर्मचारियों में भगदड़ मच गई. कंपनी के आपातकालीन संसाधनों, मनपा के फायर ब्रिगेड, आपदा विभाग, सिविल अस्पताल और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयासों से 40 मिनट की मशक्कत के बाद गैस रिसाव पर काबू पा लिया गया। गैस रिसाव के कारण संक्रमित हुए 3 कर्मचारियों को एम्बुलेंस द्वारा सिविल अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। दरअसल ये कोई त्रासदी नहीं, बल्कि एक मॉक ड्रिल थी। नवीन फ्लोरियन में आज गैस रिसाव की आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई एवं बचाव राहत कार्यों की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य गैस रिसाव जैसी आपातकालीन स्थितियों में तत्काल सहायता प्रदान करके प्रभावित व्यक्तियों के जीवन की रक्षा करना और संबंधित विभागों में सतर्कता बनाए रखना, जनहानि को रोकना और तत्काल उपचार प्रदान करना था।

दोपहर 12.03 बजे कंपनी में गैस टैंकर के टॉप अनलोडिंग वॉल्व से गैस रिसाव शुरू हो गया। जब वेयब्रिज संचालक को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने साइट प्रभारी और साइट के मुख्य नियंत्रक को इसकी सूचना दी, जिससे कंपनी की फायर टेंडर और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। इमरजेंसी कंट्रोल ग्रुप की ओर से रिसाव रोकने की कोशिशें शुरू की गईं। लेकिन जैसे ही गैस रिसाव बढ़ता गया, 12.10 बजे ऑनसाइट आपातकाल घोषित कर दिया गया। स्थानीय संकट समूह को दोपहर 12.17 बजे सूचित किया गया। सिटी प्रांतीय अधिकारी के नेतृत्व में सूरत लोकल क्राइसिस ग्रुप कमांड ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तुरंत ऑफसाइट आपातकाल की घोषणा कर दी। टैंकर के चारों ओर से पानी भरना शुरू कर दिया गया। अंततः रिसाव को सफलतापूर्वक रोक दिया गया। लोकल क्राइसिस ग्रुप, उधना के चेयरमैन मामलतदारश्री ए.आर. की ओर से उपस्थित नायक ने 12.43 बजे सारी मंजूरी दे दी।

गैस रिसाव से संक्रमित 3 कर्मचारियों को एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, कंपनी और फायर, आपदा प्रबंधन के संयुक्त प्रयासों से आपात स्थिति पर काबू पाया गया।

## गुजरात में पहली बार रिलैक्स स्माइल मशीन का उद्घाटन प्रिज्मा डॉक्टर अग्रवाल आई हॉस्पिटल में हुआ

**सूरत ।** दृष्टि सुधार के लिए रिलैक्स स्माइल मशीन का उद्घाटन शहर के मजूरागेट, रिंग रोड पर कृषिमंगल हॉल के पास, पिरामिड पॉइंट पर प्रिज्मा आई केयर हॉस्पिटल के सहयोग से डॉक्टर अग्रवाल आई हॉस्पिटल में सांसद दर्शनाबेन जरदोश की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. मालतीबेन पी. शाह वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता और डॉक्टर ग्रुप ओफ आई हॉस्पिटल से डॉ. नीरव शाह और मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. राहुल अग्रवाल मौजूद रहे।

श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश, संसद सदस्य - सूरत, केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री ने गुजरात में रिलैक्स स्माइल प्रक्रिया शुरू करने के महत्व पर जोर देते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। सूरत में रिलैक्स स्माइल प्रक्रिया का उद्घाटन हमारे राज्य की स्वास्थ्य सेवा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उन्नत तकनीक यह सुनिश्चित करती है कि नेत्र देखभाल में नवीनतम प्रगति गुजरात के लोगों के लिए सुलभ हो, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि हो।

डॉ. नीरव शाह ने कहा, “हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि सबसे उन्नत अपवर्तक मशीन, स्माइल, दक्षिण गुजरात में पहली बार हमारे अस्पताल में स्थापित की गई है। हम दक्षिण गुजरात की पूरी आबादी को लसिक, पीआरके, फेम्टो और आईसीएल, अपवर्तक विकल्पों का पूर्ण मुस्कान उपचार प्रदान करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

रिलैक्स स्माइल (छोटी चीरा लेंटिक्यूल एक्सट्रैक्शन) प्रक्रिया अपवर्तक सर्जरी में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है। रोगियों के लिए रिलैक्स स्माइल प्रक्रिया के प्रमुख लाभों में तेजी से उपचार और रिकवरी का समय शामिल है। मरीज़ आमतौर पर एक दिन के भीतर अपनी दैनिक गतिविधियों पर लौटने में सक्षम होते हैं।

मरीजों को आमतौर पर सर्जरी के तीन दिनों के भीतर उनकी दृष्टि में सुधार दिखाई देता है। हालाँकि, मरीजों को अपने सर्जन द्वारा दिए गए पोस्ट-ऑपरेटिव निर्देशों का पालन करना चाहिए। सावधानियों में 2 से 3 दिनों के लिए स्क्रीन का प्रतिबंधित उपयोग, एक सप्ताह तक सिर स्नान और चेहरा धोने से बचना, एक सप्ताह तक गाड़ी चलाने से बचना, एक निश्चित अवधि के लिए सुरक्षात्मक चश्मा पहनना और आंखों को रगड़ने से बचना शामिल है। डॉ. अग्रवाल नेत्र अस्पताल नेत्र रोगों के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करने वाला एक व्यापक नेत्र अस्पताल वर्ष 1957 में शुरू किया गया था। अस्पताल 65 वर्षों से अधिक समय से नेत्र देखभाल में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है। पूरे भारत में इसके 150+ अस्पताल हैं। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, अंडमान, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पंजाब, जम्मू और मध्य प्रदेश में स्पष्ट प्रभाव के साथ। मॉरीशस में तृतीयक नेत्र देखभाल केंद्र हिंद महासागर क्षेत्र,

अफ्रीकी देशों और पूर्वी एशिया को कवर करने वाली 15 शाखाओं तक फैली अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्थापित करने की दिशा में पहला कदम है।

सूरत में प्रमुख नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरव शाह का प्रिज्मा आई केयर हॉस्पिटल 2022 से डॉ. अग्रवाल ने नेत्र अस्पताल के साथ हाथ मिलाया है और सूरत शहर को माजुरा गेट, वेसु और एलपी सवानी सर्कल में सेवा प्रदान की है।

## आईआईएफएल फाईनेंस के 'लेडीज़ फर्स्ट' गोल्ड लोन मेला में गोल्ड लोन लेने वाली महिलाओं को पुरस्कार दिए जाएंगे

भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनियों में से एक, आईआईएफएल फाईनेंस ने केवल महिला ग्राहकों के लिए एक अद्वितीय 'लेडीज़ फर्स्ट' गोल्ड लोन मेला अभियान पेश किया है। अपनी तरह के इस अनोखे अभियान में 5 मार्च से 12 मार्च, 2024 के बीच भारत में किसी भी आईआईएफएल फाईनेंस शाखा से गोल्ड लोन लेने वाली महिला ग्राहकों को जीरो प्रोसेसिंग शुल्क के साथ निश्चित उपहार भी दिया जा रहा है। इसके अलावा आईआईएफएल फाईनेंस विजेताओं को बंपर पुरस्कार भी प्रदान करेगा, जिसमें सोने के सिक्के शामिल हैं।

आईआईएफएल फाईनेंस लोन एस्सेट के मामले में भारत की दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन कंपनी है। आईआईएफएल फाईनेंस से लोन लेने वाले 85 लाख ग्राहकों में 25 प्रतिशत से ज्यादा ग्राहक महिलाएं हैं, और उनकी संख्या बढ़ती जा रही है क्योंकि बढ़ती अर्थव्यवस्था में और ज्यादा महिलाएं उद्यमिता का मार्ग अपना रही हैं। गोल्ड भारत में हर महिला का अभिन्न हिस्सा होता है, और यह गोल्ड लोन फाईनेंस की मदद से उद्यमिता का सपना पूरा करने में काफी कारगर साबित हुआ है। यह अभियान 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के आस-पास की अवधि में चलाया जा रहा है।

आईआईएफएल फाईनेंस में हेड, गोल्ड लोन बिज़नेस, श्री सौरभ कुमार ने कहा, “महिला उद्यमियों को सक्षम बनाने के लिए आईआईएफएल फाईनेंस में हमने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारत का पहला गोल्ड लोन मेला लॉन्च किया है, जो महिला ग्राहकों के लिए समर्पित है। हम भारत में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हैं कि वो अपनी नजदीकी आईआईएफएल फाईनेंस शाखा में आएं, और कम ब्याज दर एवं निश्चित उपहार के साथ गोल्ड लोन प्राप्त करें।”

आईआईएफएल फाईनेंस की भारत में 4,600 शाखाएं हैं। यह कंपनी के ब्रांड एवं व्यवसायिक सिद्धांत, 'सीधी बात' के साथ पारदर्शी व्यवहार के लिए मशहूर है। आईआईएफएल फाईनेंस पूरे साल गोल्ड लोन मेला लगाता है, और अपने मौजूदा एवं नए ग्राहकों तक पहुँचकर उन्हें आकर्षक ब्याज दरों पर गोल्ड लोन प्रदान करता है। साथ ही, यह आभारस्वरूप उन्हें पुरस्कार भी देता है। आईआईएफएल फाईनेंस भारत के सबसे बड़े रिटेल केंद्रित एनबीएफसी संस्थानों में से एक है। इसके पास 77,000 करोड़ रु. से ज्यादा के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट हैं। आईआईएफएल फाईनेंस भारत में बैंकिंग से वंचित और बैंकिंग की कमी वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। 31 दिसंबर, 2023 के अंत तक आईआईएफएल फाईनेंस के पास 24,692 करोड़ रु. की गोल्ड लोन बुक थी, जिससे 35 प्रतिशत की मजबूत साल-दर-साल वृद्धि प्रदर्शित होती है। भारत में 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रांतों के 2,721 शहरों/कस्बों में मौजूद आईआईएफएल की शाखाओं से वेतनभोगियों, स्व-रोजगारियों, और एमएसएमई ग्राहक वर्गों को गोल्ड लोन दिए जाते हैं।

## पत्रकार रक्षक एकता सेवा संघ द्वारा गुजरात में नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा

**सूरत।** सूरत में पत्रकार रक्षक एकता सेवा संघ द्वारा गुजरात में नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा कर दी है.वहीं ख़बर के अनुसार कल सूरत में वर्चुअल ऑनलाइन बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चर्चा हुई।

जिसमें गुजरात के समस्त पदाधिकारियों के सर्व सहमति से वर्तमान सूरत जिला प्रवक्ता विनायक उपाध्याय का अध्यक्ष बनाएं जानें पर लगीं मुहर. वहीं गुजरात प्रदेश अध्यक्ष पद नियुक्ति किए जानें पर समस्त पदाधिकारियों में खुशी का माहौल बना रहा।

गुजरात प्रदेश अध्यक्ष विनायक उपाध्याय ने सभी का आभार जताया। पत्रकार रक्षक एकता सेवा संघ के संस्था प्रमुख माननीय राहुल भारतीया जी एवं समस्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी के वरिष्ठजनों को मै वंदन करता हूं।

और साथ ही गुजरात के पूर्व अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा का आभार प्रकट करते हुए समस्त पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए,अवगत कराना चाहता हूं कि गुजरात प्रमुख की जो ज़िम्मेदारी दी गई,है पुरी निष्ठा से निर्वाहन करूंगा.अतः संस्था द्वारा जो आज मुझे गुजरात प्रदेश अध्यक्ष का पदभार दिया गया

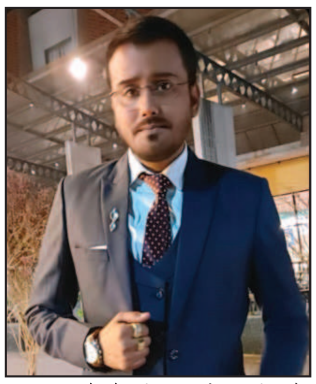

है, मैं पूरी निष्ठा ,ईमानदारी, और संस्था के नीतियों विचारों को अनुग्रहित करते हुए कार्य करूंगा पुनःआप सभी को उत्साहवर्धन हेतु बहुत बहुत बधाई के साथ धन्यवाद दिए।

## स्नेहा सखी मंडल की बहनें सूरत में बाजरा एक्सपो में नारियल फाइबर से बने उत्पाद बेच रही हैं

**सूरत ।**

सरकार द्वारा लागू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण राज्य के बाहरी इलाके में रहने वाले अदन के लोग भी स्वाभिमानी जीवन जी रहे हैं। एक सशक्त समाज के निर्माण के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना भी उतना ही आवश्यक है। प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनने के लिए सरकार द्वारा लागू की गई 'मिशन मंगलम योजना' ने प्रदेश की लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना दिया है।

तापी जिले के किनारे स्थित व्यारा तालुक के बरखाड़ी गांव की आत्मनिर्भर बहनों की कहानी कुछ सरल है। बोरखड़ी गांव की जो महिलाएं कभी घर की दहलीज नहीं लांघती थीं, वे आज मिशन मंगलम के प्रताप स्नेह सखी मंडल की स्थापना कर स्वरोजगार प्राप्त कर रही हैं। गांव की सीमा से आगे बढ़कर तालुका और जिला स्तर तक ये बहनें अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं।

श्री दयालजी अनाविल केलवानी मदाल दयालजी ने सूरत के मजूरागेट स्थित देसाई चौक पर बाजरा एक्सपो स्टॉल का आयोजन किया, जहां इसके उत्पादों को बेचते हुए मंडल के अध्यक्ष श्री जयश्रीबेन चौधरी ने कहा, "पहले, वह अपने परिवार का समर्थन करने के लिए खेत में काम करती थीं। उस समय दूसरे गांव की बहनों से सखीमंडल का गठन किया गया और उसके फायदे के बारे में सारी जानकारी ली। फिर हम 10 बहनें मिलीं और स्नेहा सखी मंडल बनाया। जिसमें हम नारियल के रेशों से गणपतिपापा की मूर्ति, गौरैया का घोंसला, पेंडेंट, तोरण आदि 50 से ज्यादा चीजें बनाते हैं। हम इन्हें विभिन्न मेलों में स्टॉल लगाकर बेचते हैं, जिससे हमें कमाई होती है। साथ ही उन्होंने बताया कि सरकार की 'मिशन मंगलम योजना' के तहत मंडली को 1 लाख का ऋण भी मिला है। वर्तमान में सभी बहनें 4,000 प्रति माह का रोजगार प्राप्त कर अपने परिवार की आर्थिक मदद कर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं. उन्होंने कहा, मिशन मंगलम योजना ने हमें उड़ने के लिए पंख दिए हैं, अब हमें ऊंची उड़ान भरने से कोई नहीं रोक सकता।

## तीसरी तिमाही में कर बाद मुनाफा ( PAT ) 9.5% की वृद्धि के साथ बढ़कर 45.7 करोड़ रुपये हुआ

भारत के अग्रणी ट्रैवल प्लेटफॉर्म ईजमायट्रिप.कॉम (EaseMyTrip.com) के का दमदार वित्तीय प्रदर्शन जारी है। वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व सालाना 18.1त्न की वृद्धि के साथ बढ़कर 1,607.9 मिलियन रुपये हो गया। वहीं एबिटा (EBITD) सालाना 10.9त्न की बढ़ोतरी के साथ 653.7 मिलियन रुपये रहा और कर बाद मुनाफा (पीएटी) सालाना 9.5% की वृद्धि के साथ बढ़कर 456.6 मिलियन रुपये हो गया। वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में कंपनी का सकल बुकिंग राजस्व (जीबीआर) 20,260.7 मिलियन रुपये रहा।

एक सफल तिमाही के बाद, कंपनी ने ईसीओ होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में लगभग 13त्न की हिस्सेदारी ली है, जिससे ऑनलाइन यात्रा सेवाओं से परे कंपनी के पोर्टफोलियो में विविधता आ गई। कंपनी का यह फैसला यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र के भीतर पर्यावरण हितैषी व्यवहारों को बढ़ावा देते हुए ऑर्गेनिक और इन-ऑर्गेनिक विकास और स्थिरता के प्रति कंपनी की पहल को आगे बढ़ाता है। वहीं एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत ईजमायट्रिप और उत्तराखंड सरकार ने लंदन में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन के दौरान एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य उत्तराखंड की वैश्विक पर्यटन अपील को बढ़ाना है। एमओयू में यूके/यूरोप, मध्य पूर्व, एशिया, यूएसए/कनाडा जैसे प्रमुख बाजारों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले संयुक्त मार्केटिंग अभियान शामिल हैं, जो उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ईजमायट्रिप की वैश्विक पहुंच का लाभ उठाएंगे।

पर्यटकों की जरूरतों के मुताबिक सेवाओं की पेशकश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए ईजमायट्रिप ने EasyDarsion की शुरुआत की है, जो पूरे भारत में यात्रियों की जरूरतों के मुताबिक तीर्थयात्रा पैकेज की सुविधा देता है। ये पैकेज सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए परेशानी मुक्त यात्रा, परिवहन, आवास, गाइडेड पर्यटन और विशेष पूजा की सुविधा मुहैया कराते हैं। इसके अतिरिक्त, “एक्सप्लोर भारत - डिस्कवर द सोल ऑफ इंडिया” का लॉन्च विदेशी यात्रियों को ध्यान में रखते हुए हुए देश की समृद्ध विरासत, संस्कृति और परिदृश्य का प्रदर्शन करना है। ये पहल कंपनी के विशिष्ट ग्राहक वर्गों की जरूरतों को पूरा करते हुए उसकी सेवाओं में किए जा रहे लगातार विस्तार के बारे में बताता है।

इसके अलावा, ईजमायट्रिप एक विशेष सदस्यता कार्यक्रम, ईजमायट्रिप प्लैटिनम, गोल्ड और सिल्वर कार्ड की पेशकश कर रहा है, जो हाई-नेट-वर्थ व्यक्तियों (HNI) को लक्जरी यात्रा अनुभव की पेशकश करता है। ये कार्ड विशेष सेवाएं, लाभ और विशेषाधिकार के साथ आते हैं, जो ग्राहकों की यात्रा अनुभव में इजाफा करते हैं।

EaseMyTrip अपनी मार्केटिंग विपणन और साझेदारी प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रहा है। कबड्डी में यूपी योद्धाओं के प्रमुख प्रायोजक बनने के साथ-साथ, कंपनी ने विश्व टेनिस लीग सीजन 2 के आधिकारिक एसोसिएट पार्टनर के रूप में टेनिस की दुनिया में अपनी पहुंच को बढ़ाया है। इसके अलावा, कंपनी ने यात्रा और अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग के लिए ग्राहकों की खातिर अपनी सेवाओं की श्रृंखला को और भी बेहतर बनाने हेतु संबंधित विशेष प्रस्तावों का विस्तार करने के लिए वोडाफोन आइडिया के साथ अहम साझेदारी की है। इस तिमाही में कंपनी ने विंटर कार्निवल सेल, ट्रैवल उत्सव सेल और दशहरा ट्रैवल सेल समेत तीन तीन प्रमुख सेल को पूरा किया है। इन बिक्री में उड़ानों, होटलों, छुट्टियों, बसों, कैब समेत अन्य पर महत्वपूर्ण छूट दी, जिससे कंपनी को अपने ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य प्रदान करने में मदद मिली।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )